चैत्र शुक्ल पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 254 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 मार्च 2026 शनिवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
29.4 अधिकतम
14.3 न्यूनतम

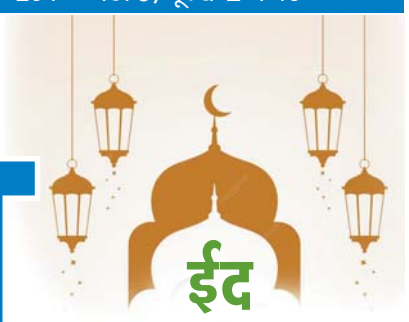

ईद मुबारक

भोपाल एम्स के भीतर सामूहिक रोजा इफ़्तार, वायरल वीडियो से हड़कंप

इंस्टाग्राम पर वकार यूनुस नाम के एक शख्स द्वारा शेयर किया गया वीडियो, दिल्ली तक पहुंची शिकायत

डीएम डिजिटल खुलासा

रोहन सिरोठिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे सरकारी चिकित्सा संस्थान के भीतर क्या सामूहिक रोजा इफ्तार का आयोजन हो सकता है ? वैसे तो इसका जवाब न में ही आएगा, लेकिन शुक्रवार 20 मार्च को आखिरी रोजे की इफ्तारी का एक वीडियो कुछ अलग ही कहानी बयान कर रहा है। इसमें साफ़ दिख रहा है कि भोपाल एम्स अस्पताल के गलियारे में बाकायदा दस्तरखान बिछाया गया और बड़ी संख्या में लोगों ने इफ्तारी की। इसके लिए खाना भी कैम्पस में ही बनाया गया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पूरे परिसर में हड़कंप की स्थिति है। खबर है कि इसकी जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय तक तक भी पहुंची है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रोजा इफ्तार के इस आयोजन में कुछ छात्र और कर्मचारी / फैकल्टी शामिल थे या बाहरी लोगों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इसके लिए प्रबंधन ने अनुमति दी थी। संपर्क करने पर निदेशक के नंबर 7773002095 पर कोई जानकारी नहीं दी गई। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि

भोपाल एम्स में रोजा इफ्तार। वीडियो से लिया गया चित्र।

संस्थान का उच्च प्रबंधन इस घटनाक्रम से अनजान था। इंस्टाग्राम पर वकार यूनुस नाम के एक शख्स द्वारा शेयर किये गए वीडियो के वायरल होने के बाद अपने बचाव की दृष्टि से प्रबंधन ने इसकी शिकायत दिल्ली मुख्यालय को की है। लेकिन, प्रबंधन का अनजान रहना अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करता है। खास तौर पर तब जबकि मरीजों और उनके अटेंडेंट्स के खानपान को लेकर एम्स में सख्त नियम हैं। मरीजों को उनके बेड पर ही खाना दिया जाता है और बाकी लोगों के लिए केंटीन में ही बैठकर खाने की व्यवस्था है। ऐसे में गलियारे में सार्वजनिक रूप से भोजन मरीजों की सेहत, सुरक्षा और हाइजीन के लिहाज से ठीक नहीं था। यदि अस्पताल के बाहर परिसर के खुले मैदान में आयोजन होता तो शायद ही कोई आपत्ति करता। प्रबंधन अगर सचेत रहता तो आयोजकों को खुले मैदान में इफ्तार आयोजन के लिए राजी किया जा सकता था।

जवाबदेही से नहीं बच सकते

संभावना है कि एम्स प्रबंधन की शिकायत पर स्वास्थ्य मंत्रालय कोई संज्ञान ले। लेकिन, प्रबंधन सिर्फ ऊपर शिकायत कर अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकता। सवाल यह भी है की 200 सुरक्षा कर्मियों की फौज के नाम पर भारी - भरकम राशि किसलिए खर्च की जा रही है। खबर तो यह भी है कि जितने लोगों का वेतन दिया जाता है उतने दिखाई नहीं देते । ज्यादातर समय पूरे कैम्पस में लगभग 50 सुरक्षाकर्मी ही मौजूद रहते हैं।

एम्स में इफ्तार का वीडियो देखने के लिए DM Digital के लिंक पर जाएं...
https://youtube.com/shorts/CTA35LRRkIs?feature=shared

पल-पल बदलते ट्रम्प... पहले कहा - सीजफायर नहीं करेंगे, एक घंटे बाद ही बोले...

हम लक्ष्य हासिल करने के करीब सैन्य अभियान कम करने पर विचार

मुजतबा खामेनेई ने कहा : अमेरिका-इजराइल के साथ जारी जंग में दुश्मन की हार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन. एजेंसी

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग के तीन हफ्ते बीत जाने के बाद ईरान और अमेरिका दोनों जीत का दावा कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार देर रात दो अलग-अलग विरोधाभासी बयान दिए। पहले कहा, 'मुझे लगता है हम जीत चुके हैं। हमने उनकी नेवी, एयरफोर्स, एयर डिफेंस सब खत्म कर दिए हैं लेकिन अमेरिका सीजफायर नहीं करेगा। एक घंटे बाद ही उन्होंने कहा कि वह ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों को कम करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि हम अपना लक्ष्य हासिल करने के बेहद करीब हैं । ट्रंप का यह बयान युद्ध समाप्ति की दिशा में अब तक का उनका सबसे मजबूत संकेत माना जा रहा है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि ईरान के 'आतंकी शासन' को लेकर अमेरिका अपने व्यापक सैन्य प्रयासों को समाप्त करने पर विचार कर रहा है और वह अपने उद्देश्यों को हासिल करने के बेहद करीब है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान की मिसाइल क्षमता और लॉन्चर्स को पूरी तरह नष्ट करना, उसके रक्षा औद्योगिक आधार को तबाह करना, उसकी नौसेना और वायुसेना को खत्म करना और ईरान को कभी भी परमाणु क्षमता के करीब न पहुंचने देना है। दूसरी ओर

ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा अमेरिका और इजराइल के साथ जारी जंग में दुश्मन की हार हुई है। लिखित संदेश में खामेनेई ने कहा ईरानी जनता की एकता की वजह से दुश्मन अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाया और उसके खेमे में ही दरार पड़ गई है।

ईरान के खिलाफ सऊदी -यूएई

खाड़ी क्षेत्र में तैनात एक अमेरिकी अधिकारी ने 'मिडिल ईस्ट आई' को बताया कि रियाद का रवैया अब अमेरिका के युद्ध का समर्थन करने की ओर झुक गया है ताकि ईरान को उसके हमलों के लिए सजा दी जा सके। अमेरिका और पश्चिमी अधिकारियों ने एजेंसी को बताया है कि ट्रंप और सऊदी क्राउन प्रिंस पिछले तीन हफ्तों से लगातार टेलीफोन पर बातचीत कर रहे हैं। यूएई ने भी अमेरिका से कहा है कि वह एक लंबे युद्ध के लिए तैयार है। उसने वॉशिंगटन पर इस संघर्ष को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए कोई दबाव नहीं डाला है।

खिसियाए राष्ट्रपति ट्रम्प ने नाटो देशों को कायर कहा

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध में साथ न देने पर नाटो देशों पर एक बार फिर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा है कि वे देश कायर हैं और अमेरिका के बिना यह गठबंधन सिर्फ कागजी शेर है। ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हुए कहा कि इसे खुला रखने के लिए सैन्य मदद देना आसान है, लेकिन सहयोगी देश इसमें भी पीछे हट रहे हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत आसान सैन्य कदम है, जिसमें बहुत कम जोखिम है, लेकिन वे मदद नहीं करना चाहते। कायर हैं और हम इसे याद रखेंगे।

जंग किसी और की... इसकी कीमत चुकाते आम लोग

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव अब एक ऐसा संघर्ष बन चुका है, जिसकी गूंज सीमाओं से बहुत दूर तक सुनाई दे रही है। जब जंग की लपटें उठती हैं तो वो सिर्फ दुश्मन को नहीं जलातीं, वो उनको भी झुलसाती हैं जो कहीं दूर- दूर तक जंग उसका हिस्सा भी नहीं होते। जंग लड़ने वाले तय करते हैं कि हमला कहां होगा, लेकिन यह तय नहीं कर पाते कि उसका असर कहां तक जाएगा। जंग उनकी... दर्द सबका, जंग कहीं... असर हर जगह, टारगेट है कोई... नुकसान झेलती पूरी दुनिया। तटस्थता भी अब विकल्प नहीं मजबूरी बन गई है। जैसे-तैसे वे देश खुद को बचा रहे हैं, जो इस जंग में नहीं हैं और इसकी सबसे बड़ी कीमत भी चुका रहे हैं।

वॉर एनालिसिस

राजेश सिरोठिया

आधुनिक युद्ध अब सिर्फ सैन्य टकराव नहीं है । भारत जैसे देशों के सामने एक कठिन संतुलन की चुनौती है। एक ओर ऊर्जा की जरूरतें हैं, तो दूसरी ओर वैश्विक साझेदारियों को बनाए रखने का दबाव। इसी तरह यूरोपीय संघ को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लानी पड़ रही है, ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता संकट का कारण न बने। इसलिए इस जंग के पहले जहां भारत के 27 देशों से तेल और गैस की खरीदी के समझौते थे, अब इसका विस्तार 40 देशों तक हो गया है। वह खुलकर रूस से तेल की खरीदी बढ़ाने के साथ गैस भी उससे खुलकर मांग रहा है । हालांकि यह बात राहुल को समझ में नहीं आ सकती । फ्रांस, जर्मनी सहित कई देश ऐसे हैं जो खुलकर किसी एक पक्ष के साथ नहीं खड़े हो रहे। लेकिन उन्होंने दोनों पक्षों से संबंध बनाए रखा है । यही कारण है कि नाटो औरअमेरिका के कई सहयोगी देश सीधे सैन्य हस्तक्षेप से दूरी बनाए हुए हैं। यह सिर्फ कूटनीतिक सावधानी नहीं, बल्कि एक गहरा रणनीतिक आकलन है, क्योंकि इस जंग का विस्तार किसी बड़े वैश्विक संकट में बदल सकता है। आज तटस्थता का अर्थ भी बदल चुका है। यह अब कोई आदर्श स्थिति नहीं, बल्कि एक मजबूरी बन गई है।

मोदी को दाद और राहुल की नादानी पर तंज

गांधी परिवार और उनसे जुड़े कुछ कांग्रेसी जरूर मोदी पर लाख हमला करें, इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दाद देना पड़ेगी । अपने संपर्कों और संबंधों की बदौलत उन्होंने तीन हफ़्ते से जारी जंग के बीच देश के लोगों की जेब पर बेवजह का बोझ नहीं पड़ने दिया है।

जबकि चीन से लेकर अमेरिका जैसे कई देशों की सरकारों ने जंग के साइड इफ़ेक्ट का भार अपने नागरिकों के सिर पर डाल कर खुद को बरी कर लिया है । कांग्रेस में शशि थरूर और मनीष तिवारी जैसे नेता भी देश पर मंडराते संकट से निपटने में मोदी के संयम और संतुलन की रणनीति को कमजोरी नहीं, देश की ताकत बताकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। वे राहुल गांधी खड़गे और खेड़ा जैसे उन नेताओं को चेता भी रहे हैं जो आपदा में भी राजनीति से बाज नहीं आ रहे । यानि वो बताना चाहते हैं की आप कितना भी मोदी का विरोध कर लें लेकिन देश की जनता जान रही है कि इस संकट को मोदी या भारत ने खड़ा नहीं किया। शिया समुदाय के खामनेई की मौत की आलोचना नहीं करने पर भी राहुल ने मोदी को कोसकर साबित किया है कि उन्हें प्रोटोकॉल की भी समझ नहीं । उनके बेवजह के बयानों से भारत का बड़ा सुन्नी मुस्लिम समुदाय भी भौचक है । वो यह भी नहीं समझ पा रहे की कांग्रेस को केरल और बंगाल के चुनावों में इसका क्या खामियाजा भुगतना होगा ।

न्यूज विंडो

वेयरहाउस मैनेजर ने की आत्महत्या, मंत्री का इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब वेयरहाउस के अमृतसर के मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा ने शुक्रवार देर रात सल्फास निगल लिया। उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां शनिवार सुबह उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मरने से पहले बनाए वीडियो में उन्होंने परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लिया है। वीडियो सामने आने के बाद सीएम भगवंत मान ने लालजीत भुल्लर से इस्तीफा ले लिया है।

मथुरा में साधु की मौत पर बवाल, पथराव-फायरिंग

मथुरा। मथुरा में फरसा वाले बाबा नाम से मशहूर गौ-रक्षक को ट्रक ने कुचल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही हजारों की भीड़ दिल्ली-मथुरा हाईवे पर जमा हो गई। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग कर हाईवे जाम कर दिया। यहां पहुंची पुलिस को लोगों ने खदेड़ दिया। पथराव भी किया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी लहूलुहान हो गए।

आज का कार्टून

होटल में मिले दोनों, वीडियो कॉल पर समझाते रहे घरवाले लेकिन नहीं माने

4 बच्चों के पिता ने 14 वर्षीय साली संग जहर खाकर जान दी

सहारनपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब एक सीमेंट कारोबारी ने अपने भाई की नाबालिग साली के साथ होटल में जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इस दौरान वे दोनों वीडियो कॉल पर परिजनों से जुड़े हुए थे। घरवाले दोनों को शामली के एक निजी अस्पताल में ले गए जहां उनकी मौत हो गई। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव जौला निवासी 32 वर्षीय अजमल दो दिन पहले अपने छोटे भाई की साली को लेकर फरार हो गया था। अजमल चार बच्चों का बाप था जबकि 14 वर्षीय साली मंदवाड़ा गांव की रहने वाली थी। किशोरी के पिता ने बुढ़ाना थाने में आरोपी के खिलाफ बहला-फुसलाकर बेटी को ले जाने की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी।

बिस्तर पर एक-दूसरे का हाथ थामे मिले: शुक्रवार को यह मामला उस वक्त और गंभीर हो गया जब दोनों सहारनपुर के ननौता कस्बे के एक होटल में पहुंचे और कथित तौर पर जहर खा लिया। सूचना मिलने पर परिजन तत्काल सहारनपुर होटल पहुंचे। वहां दोनों एक बेड पर एक-दूसरे का हाथ थामे पड़े थे और सांसें चल रही थीं। दोनो को गंभीर हालत में शामली के एक निजी अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। किशोरी के परिजनों के अनुसार, जहर खाने के दौरान अजमल ने अपने रिश्तेदार रिजवान को वॉट्सऐप पर वीडियो कॉल की और कहा कि अब सब खत्म हो गया है। इसके बाद किशोरी ने भी वीडियो कॉल पर बात करते हुए जहर खाने की बात कही। शामली पुलिस के मुताबिक, अजमल पिछले चार साल से मंदवाड़ा गांव में सीमेंट, डस्ट और बजरी का कारोबार करता था। उसका अपने छोटे भाई के ससुराल पक्ष में आना-जाना था, जिससे वह किशोरी के संपर्क में आया। मुजफ्फरनगर के पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया और इसके पीछे क्या कारण रहे।

भोपाल के कारोबारी को लॉरेंस गैंग की धमकी... 10 करोड़ दो नहीं तो मार देंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो

प्रदेश के इंदौर के बाद अब लॉरेंस गैंग की दहशत राजधानी भोपाल पहुंच गई है। यहां के कोलार इलाके में रहने वाले एक कारोबारी को लॉरेंस गैंग की ओर से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है।

पुलिस ने इस मामले में लॉरेंस गैंग के कुख्यात बदमाश हैरी बॉक्सर के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कारोबारी गौरव जैन ने अपनी जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा प्रदान करने की भी मांग की है। कोलार रोड निवासी कारोबारी गौरव जैन समाजसेवी भी हैं। करीब चार दिन पहले उनके पास एक वॉट्सएप कॉल आया था। बात करने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का हैरी बॉक्सर बताते हुए 10 करोड रुपए की डिमांड की थी। कारोबारी ने इस फोन कॉल पर कोई ध्यान नहीं दिया। तीन दिन बाद 20 मार्च को सुबह उनके पास उन्हीं नंबरों से हैरी बॉक्सर ने दोबारा संपर्क किया और 10 करोड़ रुपए की मांग की।

मेट्रो एंकर | शीर्ष अदालत ने कहा - नफरत के खिलाफ लड़ाई अपने समुदाय तक नहीं, सभी के लिए होनी चाहिए

ब्राह्मणों के खिलाफ 'हेट स्पीच' को अपराध मानने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नईदिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने ब्राह्मणों के खिलाफ नफरती भाषणों को जाति-आधारित भेदभाव के रूप में दंडनीय अपराध मानने की गुहार की खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि ब्राह्मण क्या, हम तो किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण नहीं चाहते है। कोर्ट ने कहा कि कई बार लोग तभी आवाज उठाते हैं, जब अपने समुदाय को निशाना बनाया जाता है, जो सही नहीं है। नफरत के खिलाफ लड़ाई सिर्फ अपने समुदाय तक सीमित न हो। यह सभी के लिए होनी चाहिए।

याचिकाकर्ता महालिंगम बालाजी ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की

थी कि ब्राह्मणों के खिलाफ नफरती भाषण पर तुरंत कानूनी कार्रवाई हो। एजेंसियां जांच करें कि क्या कोई संगठित अभियान चलाया जा रहा है, जिसका मकसद ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरत या हिंसा फैलाना है। कोर्ट ने इस पर सुनवाई से इनकार करते हुए याचिका वापस लेने की मंजूरी दी। कोर्ट ने कहा - हम नहीं चाहते कि देश में किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण हो। यह शिक्षा, बौद्धिक विकास, सहिष्णुता और धैर्य पर निर्भर करता है। जब सभी भाईचारे का पालन करेंगे, तो स्वतः ही नफरती भाषण का कोई स्थान नहीं रहेगा। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति नगरत्ना ने सवाल किया कि किसी विशेष समुदाय को केवल अपने खिलाफ नफरती भाषण से सुरक्षा क्यों चाहिए, दूसरों के लिए क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि किसी को भी नफरती भाषण में शामिल नहीं होना चाहिए और याचिकाकर्ता विशेष मामलों को उचित मंचों पर उठा सकते हैं, लेकिन न्यायपालिका के समक्ष नहीं।

न्यायपालिका पर झूठे हमलों की चिंता नहीं

जब याचिकाकर्ता बालाजी ने कहा कि न्यायपालिका को भी सोशल मीडिया पर निशाना बनाया जा रहा है, तो पीठ ने कहा कि उसे न्यायपालिका के खिलाफ झूठे हमलों की चिंता नहीं है। बालाजी ने अपनी याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण को जाति-आधारित भेदभाव के दंडनीय रूप के रूप में मान्यता देने और ऐसे मामलों में तुरंत कानूनी कार्रवाई के निर्देश देने का अनुरोध किया था। याचिकाकर्ता ने यह भी निर्देश देने का अनुरोध किया कि यदि कोई जनसेवक या संवैधानिक पदाधिकारी ब्राह्मणों के खिलाफ जाति-आधारित नफरती भाषण में लिप्त पाया जाता है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

आज मन रही ईद मस्जिदों में पढ़ी नमाज

भोपाल। रमजान के 30 रोजे पूरे होने के बाद आज प्रदेशभर में ईद-उल-फितर मनाया जा रहा है। भोपाल में गुरुवार को चांद नजर नहीं आने के बाद शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने शनिवार को ईद मनाने का एलान किया था। भोपाल के ईदगाह में सुबह 7.30 बजे पहली नमाज अदा हुई। इसके बाद जामा मस्जिद में 7.45 बजे, ताजङ्कउल मसजिद में 8 बजे और मोती मस्जिद में 8.15 बजे नमाज हुई। ताज-उल-मसाजिद में मौलाना हस्सान साहब की सरपरस्ती में खास दुआ कराई गई। इस मौके पर बड़ी तादाद में नमाज़ियों ने शिरकत की। मसाजिद कमेटी के अनुसार फित्रा गेहूं के हिसाब से प्रति व्यक्ति करीब 70 रुपए तय किया गया है। वहीं चांदी के भाव के अनुसार अधिकतम फित्रा लगभग 1650 रुपए तक हो सकता है। नमाज से पहले फित्रा अदा करने की अपील की गई है। अशोका गार्डन स्थित सकलैनी जामा मस्जिद में हर साल की तरह इस बार भी दो जमात में नमाज हो रही है। पहली नमाज सुबह 7.45 बजे हुई। दूसरी 8.30 बजे अदा हुई।। मस्जिद कमेटी के अनुसार यहां दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रमजान का आखिरी शुक्रवार यानी जुमा रमजान उल मुबारक की इस्लाम में काफी फजीलत है। अलविदा जुमा रमजान की विदाई का संकेत है, जोकि रोजेदारों को यह याद दिलाता है कि, भले ही रमजान खत्म होने वाला है। जिस तरह लोगों ने पूरे महीने संयम, नेक कार्य और इबादत की वह कभी खत्म नहीं होना चाहिए।

गांधी मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों के अध्ययन में चिंताजनक खुलासा

73 फीसदी बच्चे दांतों की सड़न से परेशान तंबाकू-गुटखा से बढ़ रहा कैंसर का खतरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बदलती जीवनशैली और खान-पान की गलत आदतों का सबसे बुरा असर अब बच्चों की मुस्कान पर दिख रहा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़े के अनुसार मध्य प्रदेश में पांच से 12 वर्ष तक की आयु के लगभग 65 प्रतिशत बच्चे दांतों की कैविटी (सड़न) से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों में शुगर, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और जंक फूड का बढ़ता मोह उनके दांतों को समय से पहले खोखला कर रहा है।

राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के विशेषज्ञों द्वारा किए गए अध्ययन में यह बात निकलकर आई है कि छह से 14 वर्ष की आयु के 73.3 प्रतिशत स्कूली बच्चे डेंटल कैविटी (दांतों की सड़न) से जूझ रहे हैं। क्लीनिकल परीक्षण में 386 बच्चों को शामिल किया गया था। बच्चों की ओरल हाइजीन और गलत आदतें दांतों को समय से पहले खराब कर रही हैं।

कैंसर का खतरा बढ़ा रही लापरवाही

केवल बच्चे ही नहीं, वयस्क भी ओरल हेल्थ के प्रति लापरवाह हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के करीब 39 प्रतिशत पुरुष तंबाकू के आदी हैं। यही वजह है कि मध्य प्रदेश अब ओरल कैंसर के हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। तंबाकू और गुटखे का सेवन न केवल दांतों को काला और कमजोर बना रहा है, बल्कि यह जानलेवा कैंसर की मुख्य वजह भी बन रहा है। बच्चों में डेंटल कैविटी एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है। रात में ब्रश करने की आदत एक ऐसा गेम चेंजर बदलाव है जो बच्चों के दांतों को ताउम्र स्वस्थ रख सकता है। स्कूलों में नियमित स्क्रीनिंग और अभिभावकों की जागरूकता से ही इस स्थिति को सुधारा जा सकता है। ओरल हेल्थ सीधे तौर पर हृदय रोग और डायबिटीज से जुड़ी है, इसलिए साल में कम से कम एक बार डेंटल चेकअप और दिन में दो बार ब्रशिंग करना ही चाहिए।

दांतों की सेहत सीधे तौर पर बच्चों के पोषण और शारीरिक विकास से जुड़ी है। कैविटी के कारण बच्चा सही से खाना नहीं चबा पाता, जिसका असर उसके डाइजेशन और पढ़ाई पर भी पड़ता है। दांतों की समस्याओं को शुरुआती स्टेज में पहचानना जरूरी है ताकि भविष्य में होने वाली जटिलताओं से बचा जा सके।

रात में ब्रश न करना बन रहा है सबसे बड़ी वजह

अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष रात में सोने से पहले ब्रश करने की आदत को लेकर है। शोध में पाया गया कि जो बच्चे रात में ब्रश नहीं करते, उनमें दांतों की सड़न और मसूड़ों की समस्या उन बच्चों की तुलना में कहीं अधिक है जो दिन में दो बार सफाई करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, रात भर दांतों के बीच फंसे अन्न के कण बैक्टीरिया को पनपने का मौका देते हैं, जो सुरक्षा परत (इनेमल) को तेजी से नष्ट करते हैं।

भोपाल के सेफायर पार्क, खजूरीकलां प्रोजेक्ट में बुकिंग ज्यादा

हाउसिंग बोर्ड के मेले में 40 करोड़ की प्रॉपर्टी बुक, आज भी मेला लगेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड की भोपाल के प्राइम लोकेशन में करीब 40 करो? रुपए की प्रॉपर्टी की बुकिंग हुई है। पहली बार बोर्ड ने भोपाल में ब?ा आवास मेला लगाया। जिसमें सेफायर पार्क, खजूरीकलां समेत कई प्रोजेक्ट में लोग संपत्ति की तत्काल बुकिंग करा रहे हैं। मेले का शनिवार को दूसरा और आखिरी दिन है। ऐसे में उम्मीद है कि बाकी प्रॉपर्टी को लेकर भी लोगों में उत्साह देखने को मिलेगा।

मेला पर्यावास भवन में मेला आयोजित हो रहा है। इसमें राजधानी में उपलब्ध हाउसिंग बोर्ड की सभी प्रॉपर्टी की यहां जानकारी दी जा रही है। साथ ही संपत्ति की तत्काल बुकिंग भी की जा रही है। मेले में भोपाल की सभी नई और पुरानी प्रॉपर्टी की जानकारी एक छत के नीचे है। मेले में फ्री साइट विजिट की सुविधा और फ्री में बुकिंग फॉर्म भरने की सुविधा भी है। मेले में पहले दिन 800 से ज्यादा लोगों ने प्रॉपर्टी की इंक्वारी की। वहीं करीब 40 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की ऑन स्पॉट बुकिंग की गई। सबसे ज्यादा बुकिंग बाग मुगालिया, कटारा हिल्स के सेफायर पार्क सिटी में हुई। इस प्रोजेक्ट में लगभग 25 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी बुक की गई। खजूरीकलां अवधपुरी में बोर्ड के डुप्लेक्स और ट्री प्लेक्स मकानों के प्रोजेक्ट में लगभग 10 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की बुकिंग हुई।

वहीं, सुरम्य परिसर, लवकुश हाइट्स, गौरव नगर और दूसरी ओल्ड प्रॉपर्टी में लगभग 5 करोड़ रुपए तक की बुकिंग हुई। आज मेले का आखिरी दिन है। हाउसिंग बोर्ड ने मेले में फॉर्म भरने की निशुल्क सुविधा दी हुई है। साथ में निशुल्क साइड विजिट की भी सुविधा है। आवास मेले हाउसिंग बोर्ड अपने सभी आने वाले प्रोजेक्ट की भी जानकारी उपलब्ध करा रहा है। बोर्ड देवकीनगर, बैरसिया रोड, करोंद में 10 एकड़ में प्लॉट का प्रोजेक्ट ला रहा है। वहीं अयोध्या नगर में डुप्लेक्स, ट्रिप्लेक्स, फ्लैट के 5 नये प्रोजेक्ट आने वाले हैं। इस तरह के सभी प्रोजेक्ट की जानकारी मेले में दी गई है। कटारा हिल्स में सफायर पार्क सिटी प्रोजेक्ट में बोर्ड 34 एकड़ में आवासीय प्लॉट का प्रोजेक्ट लाया है। इस प्रोजेक्ट में बुकिंग चल रही है। इसमें अलग-अलग साइज के 186 प्लॉट रखे गए हैं। 1300 स्क्वेयर फीट से लेकर 7000 स्क्वेयर फीट तक के 5 साइज के प्लॉट हैं। इस प्रोजेक्ट में एसटीपी से लेकर अंडरग्राउंड बिजली के तार तक सभी आधुनिक सुविधायें उपलब्ध होंगी।

मिडघाट, चौका, बरखेड़ा एवं बुधनी रेल लाइन का किया निरीक्षण

संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन: डीआरएम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कमलापति-बुधनी खंड का निरीक्षण पश्चिम मध्य रेलवे के डीआरएम पंकज त्यागी ने किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल संचालन की संरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर यात्री सुविधाओं की गुणवत्ता का आकलन करना है।

इस दौरान डीआरएम त्यागी ने ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, पुल-पुलियों, रेलवे क्रॉसिंग तथा अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं का बारीकी से अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कर किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाए। डीआरएम ने बरखेड़ा, चौका, मिडघाट एवं बुधनी रेलवे स्टेशनों की रेल पटरियों की संरक्षा देखी। इस दौरान तीनों स्टेशनों पर

यात्री सुविधाओं जैसे प्लेटफॉर्म स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं सूचना प्रणाली भी देखी। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय आदि अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। त्यागी ने मिडघाट एवं बुधनी जैसे घाट सेक्शन में विशेष रूप से ट्रैक की स्थिति, ढलान वाले क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों तथा ट्रेन संचालन सतर्कता के साथ करने को कहा। डीआरएम ने कहा कि बुधनी से मिडघाट आते समय चढ़ाई और उसके बाद ढलान वाला क्षेत्र घाट सेक्शन में आता है। यहां संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

ऑनलाइन तकनीक विकसित, घर बैठे मिलेंगे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अब घर बैठे ही 48 घंटे में ही जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र मिल जाएंगे। एम्स ने इसके लिए नया ऑनलाइन तकनीक विकसित किया है। एम्स के अनुसार मध्य प्रदेश के वासियों को अब जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। एम्स के मरीजों को भोपाल आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ये प्रमाणपत्र घर बैठे ही मिलेंगे। इसके लिए ऑनलाइन सिस्टम भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ने विकसित किया है। यहां के मरीजों और उनके परिजनों को जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र की ऑनलाइन सुविधा मिलेगी। अब परिजनों को आवेदन, सत्यापन या काउंटर के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह सिस्टम विकसित किया गया है। इसके लिए एम्स ने आइआइटी इंदौर की मदद ली है। एम्स के निदेशक डॉ माधवानंद ने बताया कि हमने मरीजों और उनके परिजनों को राहत देते हुए जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल कर दिया है। इससे परिजनों को आवेदन देने, उसका सत्यापन कराने और बार बार काउंटर के चक्कर लगाने की झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि नर्सिंग टीम और ड्यूटी डॉक्टर ऑनलाइन मॉड्यूल में माता-पिता की पहचान, आधार, मोबाइल नंबर और जन्म या मृत्यु का समय तत्काल दर्ज करेंगे। मेडिकल रिकॉर्ड विभाग में इस डेटा के सत्यापन के बाद डिजिटल कॉपी पोर्टल पर अपलोड कर दी जाएगी।

एलपीजी सिलेंडरों की कमी से उद्योगों पर लटक सकते हैं ताले

उद्योगपतियों ने कलेक्टर से मांगी मदद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित आसपास के क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की कमी से गोविंदपुरा, देवास और मंडीदीप की 500 से अधिक लघु और मध्यम उद्योगों जूझ रहे हैं। तीनों क्षेत्र के उद्योगपतियों ने अपने जिलों के कलेक्टर से मदद मांगी। कलेक्टरों ने जल्द ही समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

उद्योगपतियों ने बताया कि सबसे गंभीर स्थिति कमर्शियल एलपीजी पर निर्भर उद्योगों की है, जहां सप्लाई ठप होने से भोपाल के गोविंदपुरा और मंडीदीप स्थित फूड प्रोसेसिंग, धातु प्रसंस्करण और फेब्रिकेशन की करीब 500 इकाइयां बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं। बता दें कि भोपाल शहर के बीच गोविंदपुरा, रायसेन जिले के मंडीदीप व देवास के औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 500 से अधिक मध्यम और लघु फूड प्रोसेसिंग, धातु प्रसंस्करण और फेब्रिकेशन उद्योग है। यहां रोजाना एलपीजी व्यावसायिक सिलेंडरों की जरूरत पड़ती है। उद्योपतियों के अनुसार गैस सिलेंडर नहीं मिलने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। फार्मा, इंजीनियरिंग और पैकेजिंग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उत्पादन 40 प्रतिशत गिर गया है।

व्यवसायिक की जगह घरेलू का हो रहा था उपयोग, खाद्य विभाग ने व्यापारी को रीफिलिंग करते पकड़ा

खाद्य विभाग ने कार्रवाई कर 3 जगहों से 36 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। एक होटल में कमर्शियल की जगह घरेलू सिलेंडर का उपयोग हो रहा था। कमर्शियल सिलेंडर बीते 9 दिन से सप्लाई नहीं हुए हैं। वहीं, एक जगह पर गैस रीफिलिंग करने पर छापामार कार्रवाई हुई। खाद्य विभाग के अनुसार न्यू मार्केट और जहांगीराबाद क्षेत्र में होटल, रेस्टोरेंट और अवैध गैस सिलेडर रीफिलिंग पॉइंट, परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। भदभदा रोड पर न्यू मार्केट स्थित आरके गैस एजेंसी की प्राप्त शिकायत के संबंध में जांच की गई। यहां गैस सिलेंडर के स्टॉक और एजेंसी में कार्यरत सभी कर्मचारियों की जानकारी ली गई। शब्बन चौराहा जहांगीराबाद स्थित जमील टी स्टॉल की जांच भी की गई। मौके पर घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक प्रयोजन पाए जाने के कारण टी स्टॉल के संचालक नवेद अहमद से घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया। जहांगीराबाद से घरेलू गैस सिलेंडर से लोकल कंपनी के गैस सिलेंडर में गैस रीफिलिंग करते संचालक साकिब से 3 घरेलू गैस सिलिंडर, 1 व्यवसायिक जब्त किया गया।

मेट्रो एंकर

टीचर्स को दी जाएगी स्पेशल ट्रेनिंग

अब बच्चों में आसानी से पहचान सकेंगे ऑटिज्म के लक्षण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल के शिशु रोग विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता और सेरेब्रल पाल्सी जैसे न्यूरो-विकास संबंधी विकारों की समय पर पहचान और उनके उपचार पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन समस्याओं को शुरुआती दौर में ही पहचान लिया जाए, तो बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में क्रांतिकारी सुधार लाया जा सकता है।

शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र

एम्स की टीम ने बागसेवनिया स्थित एनआरआई ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल में शिक्षकों के लिए एक विशेष सत्र आयोजित किया। इसमें शिक्षकों को बताया गया कि वे क्लास में स्पेसिफिक लर्निंग डिसएबिलिटी (सीखने में कठिनाई) और ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की पहचान कैसे करें। शिक्षकों को स्क्रीनिंग के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गई ताकि प्रभावित बच्चों को समय पर डॉक्टरी मदद मिल सके।

अभिभावकों से संवाद और कानूनी अधिकारों की जानकारी

एम्स की शिशु रोग ओपीडी में आयोजित सत्र में विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. शिखा मलिक, डॉ. कीर्ति स्वर्णकर और सपना मौर्य ने अभिभावकों से सीधा संवाद किया। विशेषज्ञों ने बच्चों में दिखने वाले उन चेतावनी संकेतों के बारे में बताया जिन्हें अक्सर माता-पिता सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इस दौरान अभिभावकों को दिव्यांगजनों के कानूनी अधिकारों और सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

व्यापार, शिक्षा और समाज सेवा के सभी क्षेत्रों में सिंधी समाज ने महत्वपूर्ण योगदान दिया :सीएम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिंधी समाज के नववर्ष के रूप में मनाये जाने वाले भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड के अवसर पर रवीन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोकर आगे बढ़ रही है। हर समुदाय की परंपराओं और संस्कृति को सम्मान देना और सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य है। चाहे व्यापार हो, शिक्षा हो या समाज सेवा, सिंधी समाज ने अपने परिश्रम समर्पण और सकारात्मक सोच से समाज को नई दिशा देते हुए प्रदेश और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शीघ्र ही मुख्यमंत्री निवास में सिंधी समाज की विशेष पंचायत आयोजित की जायेगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने नई दिल्ली में किया प्रदर्शनी का अवलोकन

भोपाल। नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी सम्मेलन-2026 के दौरान ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ऊर्जा विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल का अवलोकन किया और उसकी सराहना की। प्रदर्शनी में प्रदर्शित उच्च वोल्टेज परिरक्षण सूट विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। ऊर्जा मंत्री तोमर को मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, जबलपुर के कार्यपालक निदेशक (योजना एवं रूपांकन) श्री संदीप गायकवाड ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित अत्याधुनिक उच्च वोल्टेज परिरक्षण सूट की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने ऊर्जा मंत्री श्री तोमर को बताया कि इस सूट को पहनकर लाइन स्टाफ 400 केवी ट्रांसमिशन लाइनों में बिना विद्युत आपूर्ति बाधित किए ही खराबियों को दुरुस्त कर सकता है। यह तकनीक विद्युत आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखने में अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए लाइन स्टाफ को हॉटलाइन प्रशिक्षण के साथ-साथ 'बेयर हैंड' तकनीक का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे उच्च वोल्टेज लाइनों पर सुरक्षित रूप से कार्य कर सकें।

मध्य प्रदेश में प्रमोशन की तैयारी में जुटे विभाग

पांच वर्ष की गोपनीय कैरेक्टर रिपोर्ट से देखी जाएगी पात्रता

पदोन्नति नियम 2025 पर हाईकोर्ट का फैसला अप्रैल में संभावित।

2016 से रुकी पदोन्नति प्रक्रिया फिर शुरू होने की उम्मीद।

विभागों ने संवर्गवार पदों की गणना और तैयारी शुरू की।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर अब हलचल तेज हो गई है। लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को लेकर हाईकोर्ट जबलपुर में सुनवाई पूरी हो चुकी है और निर्णय सुरक्षित रख लिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अप्रैल में इस पर फैसला आ सकता है। संभावित निर्णय को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी विभागों ने पदोन्नति की तैयारियां शुरू कर दी हैं, ताकि फैसला आते ही प्रक्रिया को तेजी से लागू किया जा सके।

सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश पर सभी विभागों ने संवर्गवार पदों की गणना पूरी कर ली है। इसमें प्रत्येक श्रेणी में कुल पदों में से भरे हुए पदों को घटाकर रिक्त पदों की संख्या तय की गई है। जिन संवर्गों में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग का कोटा पहले ही पूरा हो चुका है, वहां पदोन्नति नहीं की जाएगी।

लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 में गोपनीय चरित्रावली (सीआर) से संबंधित प्रावधानों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक से पहले के पांच वर्षों की सीआर के आधार पर पात्रता तय की जाएगी। यदि इनमें से दो वर्षों की सीआर उपलब्ध नहीं होती है, तो उससे पहले के दो वर्षों की सीआर को शामिल किया जाएगा। यह भी पहली बार तय किया गया है कि यदि किसी वर्ष की छह माह की सीआर उपलब्ध है, तो उसे पूरे वर्ष का मूल्यांकन माना जाएगा। इससे पदोन्नति प्रक्रिया में देरी की समस्या को दूर करने का प्रयास किया गया है।

2016 से रुकी है पदोन्नति

गौरतलब है कि वर्ष 2002 के पदोन्नति नियम निरस्त होने और सुप्रीम कोर्ट द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश के बाद से वर्ष 2016 से राज्य में पदोन्नतियां बंद हैं। बीच-बीच में सरकार द्वारा समाधान निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर नए नियम 2025 लागू किए गए, हालांकि इनके कुछ प्रावधानों को लेकर सामान्य वर्ग के कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। नए नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि आरक्षित वर्ग के अधिकारी मेरिट में अनारक्षित वर्ग से ऊपर आते हैं, तो उन्हें पदोन्नति का लाभ मिलेगा। हालांकि ऐसे पद को कोटे में ही गिना जाएगा। एक बार अनारक्षित श्रेणी में आने के बाद संबंधित अधिकारी को मूल आरक्षित श्रेणी में लौटने का अवसर नहीं मिलेगा।

सीआर लिखने की समय सारिणी जारी

सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2025-26 की सीआर तैयार करने के लिए विस्तृत समय सारिणी भी जारी कर दी है। इसके तहत 30 अप्रैल तक अधिकारियों-कर्मचारियों को फॉर्म उपलब्ध कराए जाएंगे। 30 जून तक स्व-मूल्यांकन जमा करना होगा। इसके बाद 31 अगस्त तक प्रतिवेदक अधिकारी, 30 सितंबर तक समीक्षक अधिकारी और 30 नवंबर तक स्वीकारकर्ता अधिकारी अपने-अपने स्तर पर मतांकन पूरा करेंगे।

अप्रैल के फैसले पर टिकी नजर

अब सभी की निगाहें हाईकोर्ट के संभावित अप्रैल फैसले पर टिकी हैं। यदि कोर्ट से नियमों को मंजूरी मिलती है, तो करीब एक दशक से रुकी पदोन्नति प्रक्रिया को गति मिल सकती है। इससे हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों को लंबे इंतजार के बाद राहत मिलने की उम्मीद है।

2028 की तैयारी... कांग्रेस में अलग राह पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह

चंबल के बाद अब बुंदेलखंड में घर-घर घूम रहे, तीन साल माला नहीं पहनेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में विधानसभा चुनाव में पौने तीन साल बाकी हैं। लेकिन, कांग्रेस में पावर की रेस तेज है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कई नेताओं को मंत्री, उपमुख्यमंत्री बनाने की बात कह चुके हैं। तो कई मंचों से आदिवासी सीएम बनाने की मांग भी उठ चुकी है। अब पूर्व नेता प्रतिपक्ष और सीधी जिले की चुरहट सीट से सात बार के कांग्रेस विधायक अजय सिंह राहुल प्रदेश भर में दौरे पर निकले हैं। अजय सिंह ने पिछले महीने चार दिनों तक चंबल का दौरा किया। अब वे बुन्देलखंड के दौरा करके पुराने कांग्रेसियों से मिल रहे हैं।

विंध्य को छोड़कर दूसरे क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ा रहे- अजय सिंह के पिता अर्जुन सिंह मप्र के मुख्यमंत्री और केन्द्र सरकार में मंत्री के साथ ही राज्यपाल भी रहे हैं। अजय सिंह भी मप्र सरकार में मंत्री और नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। अब वे अपने विंध्य क्षेत्र के अलावा दूसरे क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ा रहे हैं।दौरों में अजय सिंह के बयान साफ बता रहे हैं कि वे अपनी जगह खुद बना रहे हैं। और चुनाव के पहले विंध्य क्षेत्र तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश में अपनी टीम बनाने में जुटे हैं।

चंबल में चार दिन घूमे- अजय सिंह राहुल बीते फरवरी के महीने में 11 से 15 फरवरी तक चंबल अंचल में घूमे। ग्वालियर से लेकर मुरैना, भिंड और दतिया जिले में वे पुराने कांग्रेसियों से मिले। लहार में डॉ. गोविन्द सिंह के निवास पर मीडिया से अजय सिंह ने कहा मैं प्रदेश की प्रत्येक उस विधानसभा में जाकर संपर्क करूंगा, जहां हमारे कार्यकर्ता शांत बैठे हैं या जागरुक नहीं है। सभी से मिलकर उनको जागरुक करूंगा। किन्ही कारणों से घर बैठे वरिष्ट नेताओं से मिलकर रणनीति सीखने और समझने का प्रयास करूंगा।

अर्जुन सिंह से जुड़े कांग्रेसियों से मिल रहे

अजय सिंह राहुल अपने पिता और स्वर्गीय अर्जुन सिंह से जुड़े पुराने कांग्रेसियों से मिल रहे हैं। मंचीय कार्यक्रमों के बजाए वे सिर्फ जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मेल-मुलाकातें कर रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घर जाकर मिल रहे हैं।

7 बार का विधायक, मेरे पास कोई काम नहीं

16 मार्च को बुन्देलखंड के दौरे पर निकले अजय सिंह ने ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन किए। इसके बाद वे निवाड़ी पहुंचे। यहां मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा- मैं फुर्सत में हूं- सात बार का विधायक हूं, ज्यादा काम धाम है- नहीं तो सोचा यही करूं। अजय सिंह ने निवाड़ी में कहा कि जो कांग्रेसी घर में बैठे है उन्हें जोड़ने के लिए मैं यह यात्रा कर रहा हूं।

राज्यसभा रेस से हटे जीतू पटवारी

भोपाल। जीतू पटवारी ने राज्यसभा को लेकर बड़ा बयान देते हुए खुद को दावेदारी से अलग बताया है। भोपाल में कथावाचक मोहित नागर को कांग्रेस की सदस्यता दिलाने के दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी में कोई भी नेता उम्मीदवार बन सकता है, अंतिम फैसला संगठन ही करेगा। भोपाल में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मालवा क्षेत्र के कथावाचक मोहित नागर को औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल कराया। इस मौके पर मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने राज्यसभा चुनाव और संगठन से जुड़े मुद्दों पर भी खुलकर बात रखी। पटवारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का पद बेहद जिम्मेदारी भरा होता है, जिसमें 24 घंटे भी कम पड़ते हैं। ऐसे में वे खुद राज्यसभा की दौड़ में नहीं हैं और उनके अलावा कोई भी साथी इस पद के लिए जा सकता है।जब उनसे दिग्विजय सिंह को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वे भी संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं।

उद्योगों ने की कैश पेमेंट की मांग

युद्ध की वजह से दवा की सरकारी सप्लाई संकट में

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्य-पूर्व एशिया में जारी युद्ध से दवा उद्योग भी अब संकट में आ गया है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में अस्पतालों और स्वास्थ्य विभाग को होने वाली दवा आपूर्ति भी संकट में पड़ सकती है। एमएसएमई श्रेणी के दवा उद्योग जो सरकार को दवा आपूर्ति करते हैं, उनके लिए बड़ी लागत से तालमेल बैठाना मुश्किल हो गया है। इस बीच कई तरह के कच्चे माल की आपूर्ति भी तंग है। दवा उद्योगों ने सरकार से सहयोग की मांग की है। सरकारी आपूर्ति के टेंडरों की मियाद बढ़ाने से लेकर राहत पैकेज की जरूरत बताई है। साथ ही जीवन रक्षक दवाओं के लिए नए दामों पर अलग से शार्ट टेंडर जारी करने की जरूरत करार दी गई है।

छोटे और मध्यम दवा निर्माता पर दबाव

स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव को पत्र लिखकर बदली परिस्थितियों के हिसाब से नीतियों को बदलने की मांग रखी है। दवा उद्योगों के प्रतिनिधियों के अनुसार कच्चे माल की तेजी से बढ़ी कीमतों, सप्लाई चेन में बाधाओं तथा सरकारी सप्लाई अनुबंधों की सख्त समय-सीमा के कारण हजारों छोटे और मध्यम दवा निर्माता भारी दबाव में हैं। एमपी स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने कहा है कि यदि शीघ्र राहत नहीं दी गई, तो आने वाले दो-तीन महीनों में बड़ी संख्या में दवा निर्माण कर रही इकाइयां बंद हो सकती हैं। केंद्रीय एवं राज्य स्वास्थ्य निकायों को व अस्पतालों को होने वाली जेनरिक दवा की आपूर्ति का 90 प्रतिशत हिस्सा इन एमएसएमई दवा इकाइयों से ही जाता है। स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. दर्शन कटारिया ने कहा कि देश की दवा फैक्ट्रियों में आने वाला कच्चा माल करीब 75 प्रतिशत विदेश से आता है। इसकी कीमतें 30 से 70 प्रतिशत तक बढ़ी हैं।

एसोसिएशन मांग रही राहत

स्माल एंड मीडियम ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के सचिव अजयसिंह दासुंदी कहते हैं कि सरकार यदि कुछ कदम उठाए तो इस संकट से राहत मिल सकती है। दरअसल जो पूर्व के कांट्रेक्ट हैं, उनकी आपूर्ति की मियाद में 60 दिनों का विस्तार देने का निर्णय तुरंत लेना चाहिए। सरकारी आपूर्ति में देरी होने पर सरकार दंड लगा देती है। ऐसे प्रविधानों को ताजा स्थिति में निलंबित कर देना चाहिए। साथ ही उद्योगों को सरकार को की गई आपूर्ति के पुराने भुगतान लंबित हैं, ऐसे तमाम भुगतानों का तुरंत निपटारा होना चाहिए। जो अत्यावश्यक जीवनरक्षक दवाएं हैं, उनकी 6 माह की आवश्यकता पूर्ति के लिए शार्ट टेंडर जारी हो, जिसका भुगतान नकद किया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सप्लाई में देरी के कारण कई दवा निर्माता ब्लैकलिस्ट होने के खतरे में हैं, या फिर भारी नुकसान उठाकर सप्लाई करने पर वित्तीय रूप से दिवालिया होने की कगार पर पहुंच जाएंगे।

विधानसभा की अनूठी पहल

भोपाल में जुटेंगे मप्र, राजस्थान और छग के 70 युवा विधायक

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा पहली बार युवा विधायकों का सम्मेलन करेगी। इसमें मध्य प्रदेश सहित राजस्थान और छत्तीसगढ़ के करीब 70 विधायक भाग लेंगे। लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी मजबूत करने में विधायकों की भूमिका और 2047 तक समृद्ध राष्ट्र बनने के दौरान आने वाली चुनौतियों पर मंथन होगा। सम्मेलन 30 और 31 मार्च को होगा। विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में 45 वर्ष की आयु तक के विधायकों को आमंत्रित किया गया है। इसमें मध्य प्रदेश के 37, राजस्थान के 22 और छत्तीसगढ़ के 15 विधायक हैं। दो दिन में विधायक जहां अपने-अपने क्षेत्र में हो रही विकास की गतिविधियों पर चर्चा करेंगे, वहीं विधानसभा के अनुभव भी साझा करेंगे। सम्मेलन के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है।

सिंधिया-तोमर की खींचतान थाम पाएगी भाजपा?

ग्वालियर-चंबल के शक्ति संतुलन में पवैया की एंट्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की सियासत के महत्वपूर्ण केंद्र ग्वालियर-चंबल अंचल में अब एक नया समीकरण उभर रहा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बढ़ते दबदबे और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की घेराबंदी के बीच, भाजपा ने इसी क्षेत्र से आने वाले जयभान सिंह पवैया को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाकर मुख्यधारा में वापस लाकर बड़ा दांव खेला है। दरअसल, ज्योतिरादित्य सिंधिया के पास अंचल में समर्थक मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और प्रभारी मंत्रियों में तुलसी सिलावट व गोविंद सिंह राजपूत का साथ है। नरेंद्र सिंह तोमर का कोई समर्थक मंत्री नहीं है। इस कमी को पूरा करने के लिए नरेंद्र सिंह रामनिवास रावत को कांग्रेस से लाए।

उन्हें मंत्री भी बनाया गया लेकिन वह विधानसभा उपचुनाव नहीं जीत पाए। रामनिवास रावत की हार के बाद कमजोर पड़ते तोमर गुट और सिंधिया की बढ़ती ताकत के बीच जयभान सिंह पवैया की यह वापसी अंचल की राजनीति में चेक एंड बैलेंस का नया अध्याय लिख सकती है।

जयभान सिंह पवैया कट्टर हिंदुत्व का चेहरा माने जाते हैं और सिंधिया परिवार के पारंपरिक राजनीतिक विरोधी रहे हैं। उनकी मुख्यधारा में वापसी को सिंधिया के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित करने और संगठन में पुराने कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

सियासी पंडितों की अपनी-अपनी राय

- राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि अब जयभान सिंह पवैया राज्यसभा की रेस से बाहर हो गए हैं। पार्टी का यह कदम संकेत देता है कि संगठन उन्हें दिल्ली भेजने के बजाय मैदानी राजनीति में अधिक सक्रिय रखना चाहता है।
- यह भी माना जा रहा है कि प्रशासनिक और राजनीतिक रूप से पवैया, मुख्यमंत्री मोहन यादव के लिए ग्वालियर-चंबल में एक विश्वस्त सेतु का काम कर सकते हैं।
- चूंकि पवैया और सीएम दोनों ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विद्यार्थी परिषद की पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके बीच एक गहरा वैचारिक और पुराना समन्वय है।
- सिंधिया और तोमर जैसे कद्दावर नेताओं के बीच, पवैया एक ऐसे तटस्थ शक्ति केंद्र हो सकते हैं जो सीधे मुख्यमंत्री और संगठन को फीडबैक दें।

सिंधिया का एकछत्र प्रभाव कम होगा | पवैया को हमेशा से महल विरोधी राजनीति का चेहरा माना जाता रहा है। उनके सक्रिय होने से सिंधिया की अंचल में निर्विवाद बढ़त को संगठन के भीतर से ही एक वैचारिक चुनौती मिलेगी। प्रशासनिक स्तर पर अंचल की राजनीति में सिंधिया समर्थक मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का दबदबा रहा है। यह भी अब कमजोर पड़ेगा।

मेट्रो एंकर

ऑपरेशन सिंदूर में इनसे दिखाई थी अपनी ताकत

गन कैरिज फैक्ट्री जबलपुर को मिला तीन सौ धनुष तोप का आर्डर

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) जबलपुर नए वित्त वर्ष 2026-27 के पहले आठ माह में सेना के लिए तीन सौ धनुष तोप का रक्षा उत्पादन लक्ष्य लेकर इस बार कार्य की शुरुआत करने जा रही है। महत्वपूर्ण है कि एक दशक से अधिक समय से धनुष पर कार्य कर रही निर्माणी की बनी तोप ने ऑपरेशन सिंदूर में एकदम सटीक प्रदर्शन किया था। जिसके बाद रक्षा उत्पादन लक्ष्य दोगुना हो गया है।

पिछले साल निर्माणी को 150 तोप का वर्कआर्डर हासिल हुआ था। इस बार रिकार्ड उत्पादन की ओर बढ़ रही निर्माणी के पास एलएफजी भी है, जो 24 इस सत्र में तैयार होगी।

जीसीएफ देश की एकमात्र निर्माणी है जहां धनुष तोप का उत्पादन होता है।

श्रमिक सूत्रों के अनुसार जीसीएफ को भारतीय सेना से 300 %धनुष% हावित्जर तोपों का एक बड़ा आर्डर मिलने जा रहा है।

एलएफजी भी जीसीएफ बनाएगी

पिछले साल की तरह इस साल भी जीसीएफ सेना के लिए लाइट फील्ड गन का उत्पादन जारी रखेगी। पिछले वित्त वर्ष में निर्माणी को 18 एलएफजी उत्पादन का लक्ष्य हासिल हुआ था। जो कि इस बार संभावना है कि 24 गन का उत्पादन संभव होगा। क्योंकि सेना ने एक दशक बाद इस हल्की तोप में रुचि दिखाई है। 17-19 किमी की रेंज वाली ये तोपें 2014-15 के बाद निर्माणी में निर्मित होना शुरू हुई थीं।

बोफोर्स की तुलना में बेहतर

यह मेक इन इंडिया पहल के तहत निर्मित स्वदेशी तोपें हैं, जो 155 मिमी, 45-कैलिबर क्षमता की हैं और 38-42 किमी तक सटीक मारक क्षमता रखती हैं, जो बोफोर्स की तुलना में बेहतर है। 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी कलपुर्जे के साथ इसे निर्मित किया जाएगा। यह तोपें ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी और रेगिस्तानी क्षेत्रों में बेहद कारगर हैं और 155 मिमी के सभी गोला-बारूद दाग सकती हैं। इन तोपों ने पोखरण और अन्य फायरिंग रेंज में कड़े परीक्षण सफलतापूर्वक पास किए हैं।

युद्ध से बड़ा तूफान

दुनिया अक्सर बड़े संकटों की आहट देर से सुनती है। पश्चिम एशिया में जारी टकराव और होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराता खतरा उसी अनसुनी आहट की तरह है, जो अब एक वैश्विक आर्थिक तूफान में बदलने की ओर बढ़ रहा है। यह केवल युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि उस भ्रम की भी कथा है जिसमें ताकत, रणनीति और वास्तविकता के बीच संतुलन बिगड़ जाता है। इतिहास बार-बार चेताता है कि नेतृत्व की कल्पनाएं जब जमीन की सच्चाई से कट जाती हैं, तो परिणाम अनियंत्रित हो जाते हैं। आज जो परिदृश्य बन रहा है, उसमें दावों और हकीकत के बीच की दूरी साफ दिखाई देती है। युद्ध के उद्देश्य कुछ और थे, लेकिन परिणामों ने एक नई और अधिक जटिल अस्थिरता को जन्म दे दिया है। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या आधुनिक भू-राजनीति में रणनीति अब वास्तविकता से ज्यादा 'कथा निर्माण' पर निर्भर हो गई है? युद्ध के समर्थक इसे निर्णायक बताते हैं, लेकिन जमीनी संकेत इसके उलट हैं। संघर्ष समाप्त होने के बजाय फैल रहा है, और इसके प्रभाव सीमाओं को लांघकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंच चुके हैं। यही वह बिंदु है जहां यह संकट केवल सैन्य नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन जाता है। सबसे गंभीर असर ऊर्जा आपूर्ति पर दिखाई दे रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली तेल आपूर्ति में जरा सी रुकावट भी पूरी दुनिया की आर्थिक धड़कन को प्रभावित कर सकती है। भारत जैसे देश, जो आयात पर निर्भर हैं, इस अस्थिरता के सबसे बड़े शिकार बन सकते हैं। सवाल यह है कि क्या हमने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर पर्याप्त तैयारी की है, या हम अब भी वैश्विक परिस्थितियों के भरोसे खड़े हैं? तेल की बढ़ती कीमतें केवल आंकड़े नहीं होतीं, वे हर घर के बजट को प्रभावित करती हैं। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक, हर क्षेत्र इसकी चपेट में आता है। महंगाई की यह लहर धीरे-धीरे एक व्यापक आर्थिक दबाव में बदल सकती है, जहां विकास की रफ्तार और आम आदमी की क्रय शक्ति दोनों कमजोर पड़ती हैं। वित्तीय बाजारों में भी बेचैनी साफ दिख रही है। निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है और ऋण बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। यह स्थिति हमें पिछले आर्थिक संकटों की याद दिलाती है, जब बढ़ती लागत और गलत आकलनों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया था। क्या हम फिर उसी दिशा में बढ़ रहे हैं, जहां चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया जाता है? यह समय केवल घटनाओं को देखने का नहीं, बल्कि उनसे सीखने का है।

भारत में बाल मृत्यु दर में आ रही गिरावट, यानी बालकों के हित में सही दिशा में जा रहा देश

डॉ. निवेदिता शर्मा
स्तंभकार

संयुक्त राष्ट्र ने बाल मृत्यु दर में गिरावट को लेकर भारत की जमकर सराहना की है। दरअसल, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट ने भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की उपलब्धियों को वैश्विक मंच पर उजागर किया है। यूएनआईजीएमई की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने बाल मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाकर दुनिया को एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए नरेंद्र मोदी ने भी इसे देश की सामूहिक सफलता बताया और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सतत प्रयासों की सराहना की है।

आंकड़ों में झलकती ऐतिहासिक सफलता: रिपोर्ट के अनुसार, 1990 में जहां नवजात शिशु मृत्यु दर 57 प्रति हजार जीवित जन्म थी, वह 2024 में घटकर 17 रह गई है, जो लगभग 70 प्रतिशत की कमी को दर्शाती है। इसी प्रकार पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 127 से घटकर 27 प्रति हजार हो गई है, जोकि लगभग 79 प्रतिशत की गिरावट है। ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं को व्यापक बनाते हुए उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया है। भारत की सफलता में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मिशन इंद्रधनुष जैसे अभियानों ने यह सुनिश्चित किया कि हर बच्चे तक जीवन रक्षक टीके पहुंचें। टीकाकरण के माध्यम से खसरा, डायरिया, निमोनिया जैसी बीमारियों पर नियंत्रण पाया गया, जो पहले बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारण थे। इसके साथ ही आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सेवाओं ने गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक किया, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ा और उनका उपयोग भी अधिक हुआ। यह जनभागीदारी भारत की सफलता का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है। भारत में संस्थागत प्रसव की दर में हुई वृद्धि ने नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता ने प्रसव से जुड़े जोखिमों को काफी हद तक कम किया है। इसके साथ ही नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों (हृष्ट) का विस्तार भी एक बड़ा कदम साबित हुआ है। इन इकाइयों में समय से पहले जन्मे या बीमार शिशुओं को विशेष देखभाल मिलती है, जिससे उनकी जीवित रहने की संभावना बढ़ जाती है। दक्षिण एशिया में नवजात मृत्यु दर में आई कमी में भारत की इन पहलों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बीमारियों से मुकाबला और लक्षित रणनीति: भारत ने उन बीमारियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया, जो बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारण थीं। डायरिया के इलाज के लिए हृञ्रू और जिंक के उपयोग को बढ़ावा दिया गया, वहीं निमोनिया के उपचार और रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाए गए। मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों ने प्रभावित क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इन लक्षित प्रयासों ने यह सिद्ध किया कि यदि सही दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए, तो रोकी जा सकने वाली बीमारियों से होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

केंद्र-राज्य समन्वय और प्रभावी क्रियान्वयन: भारत की इस सफलता के पीछे केंद्र और राज्य सरकारों के बीच मजबूत समन्वय भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को राज्यों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार लागू किया, जिससे योजनाओं का प्रभाव अधिक व्यापक और प्रभावी हुआ। यह सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें नीति निर्माण और क्रियान्वयन के बीच संतुलन बना रहा। इस समन्वय ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दक्षिण एशिया और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की भूमिका: रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया में बाल मृत्यु दर में आई गिरावट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। 2000 में जहां इस क्षेत्र में प्रति हजार जन्मों पर 92 बच्चों की मृत्यु होती थी, वहीं 2024 में यह घटकर लगभग 32 रह गई है। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि भारत के प्रयासों का प्रभाव राष्ट्रीय स्तर आगे वैश्विक प्रभाव के रूप में दिख रहा है। हालांकि भारत ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियां सामने हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता, कुपोषण की समस्या और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की सार्वभौमिक उपलब्धता जैसे मुद्दे अभी भी समाधान की मांग करते हैं। दक्षिण एशिया में अभी भी दुनिया के लगभग 25 प्रतिशत बाल मृत्यु के मामले सामने आते हैं, जो इस दिशा में निरंतर प्रयासों की आवश्यकता को दर्शाता है। भारत को अब अपनी उपलब्धियों को बनाए रखते हुए नई चुनौतियों का समाधान करना होगा।

एक प्रेरक मॉडल के रूप में भारत: आज भारत में बाल मृत्यु दर में आई गिरावट एक ऐसी उपलब्धि है, जोकि निशितच ही देश के लिए गर्व का विषय है। यह दुनिया के अन्य विकासशील देशों के लिए भी एक प्रेरणा है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि ठोस नीतियां, मजबूत इच्छाशक्ति और प्रभावी क्रियान्वयन होने लगे तब उस स्थिति में कोई समस्या लम्बे समय तक नहीं ठहर सकती है। ऐस में बड़े से बड़े लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त किया गया विश्वास इस दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में भारत यदि इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहा, तब इतना सुनिश्चित है कि वह वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका भी निभाता हुआ दिखाई देगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

कार्यस्थल, महिला स्वास्थ्य और अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश पर छिड़ी बहस

डॉ. प्रियंका सौरभ
कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक

मासिक धर्म स्त्री जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, किंतु लंबे समय तक इसे सामाजिक संकोच, मौन और उपेक्षा के दायरे में रखा गया। आधुनिक समय में जब कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता, समावेशिता और संवेदनशील नीतियों की चर्चा तेज हुई है, तब 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' की अवधारणा भी विमर्श के केंद्र में आई है। कई देशों और संस्थानों ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष अवकाश देने की नीतियाँ अपनाई हैं, ताकि वे शारीरिक असुविधा और मानसिक तनाव के समय आराम कर सकें। किंतु यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी अनिवार्य नीतियाँ वास्तव में कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देती हैं, या फिर अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को और मजबूत कर देती हैं। इस संदर्भ में इस मुद्दे का आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक पीड़ा, थकान, चक्कर, या हार्मोनल परिवर्तन के कारण मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कार्यस्थल पर निरंतर काम करना उनके लिए कठिन हो सकता है। अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की नीति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि महिलाओं की जैविक आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं और उन्हें उसी अनुसार कार्यस्थल पर सहूलियत मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से यह नीति लैंगिक संवेदनशीलता का प्रतीक है और महिलाओं के प्रति सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देती है।

इसके अतिरिक्त, अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कार्यस्थलों पर लंबे समय से चले आ रहे उस मौन को भी तोड़ने का प्रयास है, जिसमें मासिक धर्म को छिपाने या शर्म की चीज़ माना जाता था। जब संस्थान औपचारिक रूप से इस विषय को स्वीकार करते हैं, तब यह सामाजिक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश देता है कि मासिक धर्म कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इससे महिलाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने का साहस मिलता है और कार्यस्थल का वातावरण अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसी नीतियाँ कार्यस्थलों पर उत्पादकता को भी अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकती हैं। जब कर्मचारियों को आवश्यकता के समय आराम मिलता है, तो वे स्वस्थ होकर बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। यदि किसी महिला को मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द या असुविधा है और फिर भी उसे काम करना पड़ता है, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में अल्पकालिक अवकाश उसे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित करने में सहायक हो सकता है। इस प्रकार, स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नीतियाँ दीर्घकालिक दृष्टि से संस्थानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि, इस नीति के पक्ष में प्रस्तुत इन तर्कों के साथ-साथ इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को भी गंभीरता से समझना आवश्यक है। कई आलोचकों का मानना है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं। यदि किसी संस्थान को यह लगता है कि महिला कर्मचारियों को हर महीने अतिरिक्त अवकाश देना पड़ेगा, तो वह भर्ती के समय पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है। विशेष रूप से निजी क्षेत्र में, जहाँ उत्पादकता और समय-प्रबंधन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, वहाँ नियोक्ता महिलाओं को 'अतिरिक्त दायित्व' के रूप में देखने लग सकते हैं।

इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जाता है कि अनिवार्य अवकाश की नीति महिलाओं को 'कम सक्षम' या 'कम विश्वसनीय' कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह धारणा बन सकती है कि महिलाएँ हर महीने कुछ दिनों तक कार्य के लिए अनुपलब्ध रहेंगी, जिससे उनके प्रति नियोक्ताओं का दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है। परिणामस्वरूप, महिलाओं को उच्च पदों, नेतृत्व की भूमिकाओं या महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अवसर कम मिल सकते हैं। इस प्रकार, जो नीति महिलाओं के हित में बनाई जाती है, वही अनजाने में उनके पेशेवर विकास के रास्ते में बाधा बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण आलोचना यह है कि सभी महिलाओं का मासिक धर्म अनुभव समान नहीं होता। कुछ महिलाओं को इस दौरान अत्यधिक पीड़ा होती है, जबकि कई महिलाएँ सामान्य रूप से अपने कार्य कर सकती हैं। यदि अवकाश अनिवार्य बना दिया जाए, तो यह उन महिलाओं के लिए भी लागू होगा जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। इससे यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म के दौरान हर महिला कार्य करने में असमर्थ होती है, जो वास्तविकता से मेल नहीं खाता। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि 'अनिवार्य' शब्द स्वयं में समस्या पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि कार्यस्थलों पर केवल महिलाओं के लिए विशेष अवकाश की व्यवस्था की जाती है, तो यह समानता के सिद्धांत के साथ विरोधाभास पैदा कर सकती है। लैंगिक समानता का मूल विचार यह है कि सभी कर्मचारियों को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यदि किसी एक समूह को विशेषाधिकार दिए जाते हैं, तो दूसरे समूह में असंतोष या असमानता की भावना उत्पन्न हो सकती है। हालांकि यह तर्क पूरी तरह से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि समानता का अर्थ हमेशा 'समान व्यवहार' नहीं बल्कि 'न्यायसंगत व्यवहार' भी होता है, फिर भी इस दृष्टिकोण को नीति निर्माण में ध्यान में रखना आवश्यक है।

समाज और संस्थानों को यह समझना होगा कि मासिक धर्म कोई बाधा नहीं बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कार्यस्थल ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो महिलाओं के स्वास्थ्य का सम्मान करें और साथ ही उनकी पेशेवर क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें, तभी वास्तविक लैंगिक समानता की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

'बॉवल कैंसर' का पता लगने के बाद डाइट और लाइफ स्टाइल की भूमिका अहम्

बड़ी आंत या मलाशय में शुरू होने वाले कैंसर को बॉवल कैंसर कहा जाता है। इस जानलेवा बीमारी के निदान के बाद मरीज को डाइट में ताजे फल, हरी सब्जियां, हेल्दी फैट्स, लो प्रोसेस्ड फूड खाने चाहिए। आहार में दूध को शामिल करना भी फायदेमंद हो सकता है। मरीज हेल्दी डाइट के साथ पर्याप्त फिजीकल एक्सरसाइज और हेल्दी लाइफस्टाइल की आदतों को फॉलो करके रिकवरी को तेज कर सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन की एक स्टडी बताती है कि बॉवल कैंसर से आपकी रिकवरी कितनी प्रभावी होगी, उसके बाद की लाइफ क्वालिटी कैसी होगी, बीमारी के वापस आने का खतरा कितना रहेगा, ये सब बीमारी के ट्रीटमेंट के साथ जारी आपकी लाइफस्टाइल पर टिका होता है
बॉवल कैंसर के कारण खाने को पचाने और पोषण को सोखने की क्षमता में कमी आ सकती है। यह कैंसर ट्रीटमेंट के प्रभाव को कम करने वाला बड़ा कारण है। इस स्थिति को सुधारने के लिए आपको डाइट की छोटी से छोटी चीज पर निगरानी रखनी चाहिए। स्टडी के मुताबिक, दूध व कैल्शियम इनटेक और कोलोरेक्टल कैंसर के बीच संबंध बताने वाले शोधों की कमी है। हालांकि कोलोरेक्टल कैंसर के मरीजों के अंदर दूध का सेवन और सभी कारण से होने वाली मृत्यु में कमी के बीच संबंध देखा गया है। लेकिन यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि दूध खासतौर से बॉवल कैंसर से होने वाले मृत्यु के जोखिम को भी कम कर सकता है। हालांकि, दूध या कैल्शियम इनटेक से बॉडी के न्यूट्रिशनल लेवल को मेंटेन किया जा सकता है। हार्ट डिजीज या हाई कोलेस्ट्रॉल कोमोरबिडिटीज के मामले में डॉक्टर लो फैट दूध लेने की सलाह देता है।

एंटी-इंफ्लामेटरी डाइट: अमेरिकन कैंसर सोसायटी ने 2025 एएससीओ ऐन्यूल मीटिंग में प्रस्तुत स्टडी के हवाले से बताया कि एंटी-इंफ्लामेटरी डाइट लेना कोलन कैंसर के मरीजों के लिए फायदेमंद देखा गया है। इस डाइट में उन फूड्स को खाने की सलाह दी जाती है, जो शरीर के अंदर की सूजन और इरिटेशन को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही सूजन और इरिटेशन को बढ़ाने वाले प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट, शुगरी ड्रिंक्स, व्हाइट ब्रेड जैसे फूड को डाइट से दूर रखने के लिए कहा जाता है। आइए एंटी-इंफ्लामेटरी डाइट में शामिल फूड्स के बारे में जान लेते हैं। इनमे पालक, साग जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां,गाजर-शकरकंद जैसी ऑरेंज वेजिटेबल, बेरीज-संतरा जैसे फल, ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ जैसे साबुत अनाज, मछली-चिकन जैसे लीन प्रोटीन फूड, ऑलिव ऑयल, नट्स और एवोकाडो से हेल्दी फैट्स और ग्रीन टी शामिल हैं।

सुविचार

जब तक हम खुद को नहीं बदलते,
तब तक हमारी स्थिति नहीं बदलती।
-अज्ञात

निशाना

आखिर में गेहूं की तरह..!

सुखेन्द्र दशरथ साहू

जाति पांति भाषा मजहब अगर गाओगे
आखिर में गेहूं की तरह पिस जाओगे
बंटकर के मत रहिए ,सट कर के रहिए
मिलकर एक दूजे से ,प्रणाम कहिए
जाते हो जब होटल ,खा लेते चुपचाप टोटल
न पूछते जाति और मजहब का कोई पोर्टल
घर गांव आते ही जाति पांति ,ऊंच नीच की करते पहल
पहन कुर्ता पजामा, चबाते पान, बड़ी शान से रहे टहल
पीने जाते मदिरा न पूछते किसने बनाया था कौन बेचा था कल
सब बड़े प्यार से मिलकर ,साथ खाली करते बोतल,
उस विधाता ने हर जीव को बड़े प्रेम भाव से बनाया है
प्रेम से जिए और जीने दे, ऐसा मानव धर्म बनाया है,
इसलिए हे प्राणियों फालतू की बात बंद करो भाई
न बांटने का ढोंग करो,हम सभी आपस में है भाई -भाई
पशुओं ने भी अपना जीवन, प्रकृति नियमानुसार जिया है
चांद और सूरज ने भी समान शीतल प्रकाश दिया है
आपसी मनमुटाव को, हमें ही मिलकर मिटाना होगा
घर परिवार और समाज में समानता लाना होगा।

गेजेट्स ऑफर

आधे पैसे EMI में देकर चलाएं गैलेक्सी का एडवांस फोन, पसंद ना आए तो एक साल बाद वापस

सैमसंग ने 'Galaxy Forever' प्रोग्राम शुरू किया है। इसके तहत Galaxy S26 Ultra या Galaxy S26 Plus स्मार्टफोन को उनकी आधी कीमत में वो भी EMI पर लिया जा सकता है। कंपनी ने कहा है कि 1 साल बाद अगर यूजर फोन वापस करना चाहेगा तो उससे कोई सवाल नहीं पूछा जाएगा। क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने वाले ग्राहक 50% अश्योर्ड बायबैक भी ले पाएंगे। सैमसंग ने इस स्कीम को 'Galaxy Forever' मॉडल कहा है।

सैमसंग ने बताया है कि यह एक नया स्मार्टफोन ओनरशिप मॉडल है, जिसका मकसद लोगों को सैमसंग के फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स एक्सपीरियंस कराना है। कंपनी ने कहा है कि प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में बढ़ती लोगों की दिलचस्पी को देखते हुए इस प्रोग्राम को तैयार किया गया है। एक साल के बाद, क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने वाले ग्राहक डिवाइस वापस करके सीधे 50% अश्योर्ड बायबैक ले सकते हैं या डिवाइस अपने पास रखकर बाकी 50% रकम को अगली 12 नो-कॉस्ट EMI में चुका सकते हैं। Samsung Finance+ चुनने वाले ग्राहकों को सिर्फ अपना डिवाइस वापस करना होगा और अगले Galaxy फ्लैगशिप स्मार्टफोन में अपग्रेड करना होगा। डिवाइस को अपने पास रखने के लिए ग्राहकों को 13वें महीने में बाकी 50% कीमत चुकानी होगी। Galaxy Forever प्रोग्राम में 13 महीनों के लिए 13,999 रुपये की कीमत वाला Samsung Care+ भी शामिल है (जिसमें एक्सीडेंटल और लिक्विड डैमेज प्रोटेक्शन मिलता है)। इस फोन की शुरुआती कीमत 1,39,999 रुपये है। कंपनी ने बताया है कि नो कॉस्ट ईएमआई 5,833.29 रुपये है। इसमें गैलेक्सी फॉरएवर प्रोग्राम शुल्क 749.92 रुपये है। इस तरह हर महीने की ईएमआई 6,583.21 रुपये होगी। जो यूजर Galaxy S26 Plus को लेना चाहते हैं। उन्हें हर महीने 5,749.88 रुपये देने होंगे।

Galaxy S26 Ultra का सबसे प्रमुख फीचर इसका प्राइवेसी डिस्प्ले है। यूजर अपनी स्क्रीन को प्राइवेट रख सकता है। कोई और नहीं देख पाएगा कि वह फोन में क्या कर रहा है। Samsung Galaxy S26 Ultra में Snapdragon 8 Elite Gen 5 चिपसेट का इस्तेमाल किया गया है। हमेशा की तरह इसे सैमसंग के फोन्स के लिए ऑप्टिमाइज भी किया गया है। कई एक्सपर्ट्स इसे Snapdragon 8 Elite Gen 5 का अगला वर्जन भी बताने से नहीं चूक रहे क्योंकि सैमसंग अपनी S सीरीज के अल्ट्रा फोन में पहले से ताकतवर Snapdragon की लेटेस्ट चिपसेट का ओवर क्लॉक्ड वर्जन इस्तेमाल करता है।

दरिंदगी

सनकी बॉयफ्रेंड ने 40 फीट की ऊंचाई से लड़की को नीचे फेंक दिया, जिन्दा बचकर सुनाई दास्तान

इंग्लैंड में 18 साल की बॉबी गुडमैन को उसके बॉयफ्रेंड ने शक के चलते चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। 40 फीट की ऊंचाई से गिरने के बावजूद वह चमत्कारिक रूप से बच गई, लेकिन उसे रीढ़ की हड्डी और फेफड़ों में गंभीर चोटें आई हैं।

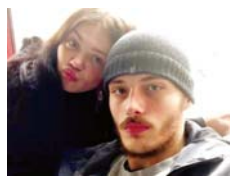

प्यार में इंसान अंधा हो जाता है, यह कहावत आपने कई बार सुनी होगी, लेकिन जब यही प्यार सनक और शक में बदल जाए, तो जानलेवा साबित हो सकता है। ब्रिटेन के सोलिहुल से एक ऐसा ही रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 22 साल के युवक जॉर्डन हेरिंग ने अपनी 18 साल की गर्लफ्रेंड बॉबी गुडमैन को चौथी मंजिल की खिड़की से नीचे फेंक दिया। करीब 40 फीट की ऊंचाई से गिरने के बाद बॉबी की जान तो बच गई, लेकिन उनके शरीर की लगभग सारी हड्डी टूट चुकी थी। इस खौफनाक वारदात के बाद जॉर्डन ने पुलिस के सामने झूठ बोला कि बॉबी ने खुद खुदकुशी करने के लिए छलांग लगाई थी। अब करीब तीन साल के लंबे इंतजार के बाद बॉबी को इंसाफ मिला है और कोर्ट ने जॉर्डन को दोषी करार दिया है।

यह पूरी घटना तीन साल पहले शुरू हुई थी, जब जॉर्डन अपनी मां के हाई-राइज फ्लैट में बॉबी के साथ था। बॉबी बताती हैं कि जॉर्डन बहुत ही शकी मिजाज का था और अक्सर उन पर बेवजह धोखा देने का आरोप लगाता रहता था। उस रात भी दोनों के बीच जमकर बहस हुई। बॉबी को आज भी वे डरावने पल याद हैं जब जॉर्डन ने उनका सिर खिड़की से बाहर लटका दिया था और चिल्लाते हुए कहा था, 'मैं तुम्हें यहां से नीचे फेंक दूंगा, मैं तुम्हें जान से मार दूंगा।' इसके बाद जॉर्डन ने अपनी धमकी को हकीकत में बदल दिया और बॉबी को 40 फीट नीचे घास के मैदान पर फेंक दिया। सीसीटीवी फुटेज में वह खौफनाक मंजर कैद हुआ जब बॉबी आसमान से जमीन पर गिरीं। गिरने के बाद वे बेहोश हो गई थीं, लेकिन जॉर्डन ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाने के बजाय उन्हें उठाकर वापस फ्लैट में ले गया।

करीब एक घंटे बाद जॉर्डन की मां ने पुलिस को फोन किया और कहा कि उन्हें डर है कि उनका बेटा बॉबी को जान से मार डालेगा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने पाया कि बॉबी के फेफड़े फट चुके थे, पेल्विस (कूल्हे की हड्डी) चकनाचूर हो गई थी, पसलियां टूट गई थीं और उनकी रीढ़ की हड्डी में भी गंभीर चोट आई थी।

न्यूज विंडो

नागरिकों को मिलेगा ठंडा पानी, शीतला इंडेन गैस एजेंसी ने शुरू की जल सेवा

गंजबासौदा। गुड़ी पड़वा एवं चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मां शीतला इंडेन गैस एजेंसी द्वारा सेवा भावना के साथ पेयजल वितरण (प्याऊ) की व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। गर्मी के मौसम को देखते हुए राहगीरों और आम नागरिकों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। मां शीतला इंडेन गैस एजेंसी के संचालक राजेश माहेश्वरी ने बताया कि धार्मिक पर्व के अवसर पर जनसेवा की भावना से इस जल सेवा की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में राहगीरों को ठंडा पानी उपलब्ध कराना एक पुण्य कार्य है और आगे भी इस प्रकार के सेवा कार्य जारी रहेंगे। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की व्यवस्थाएं समाज में सेवा और सहयोग का संदेश देती हैं। कार्यक्रम के दौरान एजेंसी का स्टाफ एवं परिवार के लोग उपस्थित रहे।

वीजनवाड़ा में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

नर्मदापुरम। पिपरिया क्षेत्र कि पंचायत कार्यालय वीजनवाडा में शहीद भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी वर्चुअल माध्यम से जुड़कर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने एनएसएस के माध्यम से सेवा भाव, अनुशासन एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना–व्यक्तित्व विकास और सामाजिक दायित्व विषय पर बौद्धिक सत्र आयोजित हुआ। वक्ताओं ने एनएसएस के मूल मंत्र स्वयं के पहले आप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना युवाओं को जागरूक, जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनाने का सशक्त माध्यम है। मुख्य अतिथि आईसीएआर भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान सदस्य नीतिराज सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने योगः कर्मसु कौशलम का उल्लेख कर बताया कि कार्य को कुशलता और समर्पण के साथ करना ही सच्चा योग है। बौद्धिक सत्र में एनएसएस के जरिए व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, संचार कौशल और टीमवर्क के महत्व पर चर्चा हुई। स्वयंसेवकों को स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य राजीव महेश्वरी, जनपद सदस्य नरसिंह रावत, कार्यक्रम प्रभारी किटी मौर्य, हेमंत शर्मा, राहुल गुर्जर, अंकित राय सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

तेज रफ्तार 108 एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर मकान से टकराई

गंजबासौदा। शुक्रवार रात वेदनखेड़ी वार्ड क्रमांक 8 क्षेत्र में एक तेज रफ्तार 108 एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर एक मकान में टकरा गई गई। हालांकि एंबुलेंस खाली थीं कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एम्बुलेंस की रफ्तार काफी तेज थी और अचानक नियंत्रण बिगड़ने से वह सीधे मकान से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मकान की सीढ़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, वहीं एम्बुलेंस का अगला हिस्सा भी बुरी तरह टूट गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना रात के समय हुई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यदि दिन का समय होता तो जनहानि की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

त्यौहारों को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

गंजबासौदा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर नगर में शुक्रवार को पुलिस प्रशासन द्वारा मुख्य मार्गों पर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही आमजन में विश्वास का संदेश दिया गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व एसडीओपी शिखा भलावी ने किया। इस दौरान सिटी थाना प्रभारी संजय वेदिया, देहात थाना प्रभारी मनोज दुबे सहित पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस जवान नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए सुरक्षा का संदेश देते नजर आए। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने नगरवासियों से अपील की कि सभी नागरिक अपने-अपने त्योहार आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। साथ ही यह भी भरोसा दिलाया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में पुलिस प्रशासन तत्काल सहायता के लिए उपलब्ध रहेगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी और असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रोशनी से जगमगाया महामाई दरबार

चैत्र नवरात्रः माता मंदिरों में बड़ी संख्या में उमड़ रहे श्रद्धालु

महामाई दरबार में शुरू हुआ श्री विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ, दर्शन के लिए लग रही कतार

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्र का उल्लास क्षेत्र में दिखाई देने लगा है। सुबह से ही माता मंदिरों में भक्तों की कतार लगती दिखाई देती है। यह सिलसिला शाम से शुरू होकर रात तक बना रहता है। ग्राम वीरपुर में स्थित महामाई माता का दरबार आस्था का मुख्य केन्द्र बन गया है। बढ़ी संख्या में श्रद्धालु अलसुबह से ही पैदल माता रानी के दरबार की ओर जाते दिखाई दिए। वहां पर दर्शन और पूजन के उपरांत वे दोपहर तक वापस लौटे। तेज धूप के चलते दरबार में दोपहर के समय श्रद्धालुओं की संख्या प्रभावित रही लेकिन शाम होते ही दरबार में फिर श्रद्धालुओं की कतार लगी दिखाई दी। आगामी दिनों में यहां श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक इजाफा होना तय है। शहर के अलावा आसपास के शहरों से भी बढ़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दरबार में आ रहे हैं। इस बीच माता के दरबार में श्री विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ की शुरुआत भी हो गई। दोपहर में महामाई मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा वैदिक मंत्रोचारण के साथ महायज्ञ करवा रहे है। यज्ञशाला में मौजूद यजमानों ने महायज्ञ में आहुति अर्पित की।

नवरात्र शुरू होते ही यहां आयोजित मेले की रौनक भी बड़ गई है। मेला स्थल पर कई तरह की झूल इस बार लगे हैं। दो साल बाद यहां लग रहे

मेले को लेकर श्रद्धालुओ में खासा उत्साह है। परिसर में 50 से अधिक दुकाने भी लगी है। इनमें प्रसाद, खेल-खिलौने, गृहस्थी की सामग्री, सौंदर्य सामग्री, कपड़े, नास्ते-पानी और शीतलपेय की दुकाने भी शामिल है। श्री महामाई मंदिर प्रांगण में रविवार को महामाई के अनन्य सेवक स्व श्री लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जा रहा है जिसमें भोपाल के अनुभवी डॉक्टर जिसमें मेडिसिन विशेषज्ञ, हृदयरोग विशेषज्ञ,न्यूरोलॉजिस, स्त्री रोग विशेषज्ञ के साथ ही नेत्र रोग, अस्थि रोग एवं सभी जांचे ब दवाइयां निःशुल्क प्रदान की जाएंगी महामाई सेवा समिति सदस्य क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने नागरिकों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है।

शहर में स्थित माता मंदिरों में भी नवरात्र का उल्लास बरस रहा है। सभी मंदिरों में विशेष सजावट भक्तों ने की है। नयापुरा स्थित महामाई का मायका मंदिर, कठाली बाजार स्थित शीतला माता मंदिर, पंचकुईया स्थित शीतला माता मंदिर, टोरी मोहल्ला स्थित मां शीतला चांदला मंदिर, पटवा टोला स्थित चांदला माता मंदिर, हाजीपुर स्थित धनेश्वरी माता मंदिर, कटरा मोहल्ला स्थित माता मंदिर, छतरी नाका पर हनुमान मंदिर में स्थित माता मंदिर, राजीव गांधी कालोनी स्थित मां चांदला मंदिर, गांकड़ो वाले बाग में स्थित माता मंदिर, कस्टम पथ पर पिपलेश्वरी माता मंदिर, बामौरा रोड स्थित माता मंदिर तथा अलीगंज पहाड़ पर स्थित मां भद्रकाली मंदिर में सुबह से देर रात तक भक्ति का उत्साह दिखाई दे रहा है।

नारद मोह प्रसंग के साथ शुरू हुई रामलीला

माता के दरबार में रासलीला और रामलीला का आयोजन भी किया जा रहा है। वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा इस बार लीला का मंचन किया जा रहा है। भक्तों ने भगवान राम की आरती कर लीला का शुभारंभ किया। उन्होंने कथा व्यास और लीला का मंचन करने वाले कलाकारों का सम्मान भी किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान राम के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। पहले दिन कलाकारों ने नारद मोह प्रसंग का मंचन किया। दरबार में प्रतिदिन रात 8.30 बजे आरती के उपरांत रामलीला का मंचन कलाकारो द्वारा किया जाएगा वही हर दिन दोपहर के समय रासलीला का मंचन कलाकार करेंगे।

ईदगाह पर उमड़े हजारों नमाजी

सिरोंज। ईद उल फितर (मीठी ईद)पर हजारों की संख्या में ईदगाह पर मुस्लिम बंधुओं ने सामूहिक नमाज अता की। एक दूसरे को गले लगाकर दी बधाई।

नर्मदापुरम में हुई ईद-उल-फित्र की नमाज अदा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शहर समेत देशभर में शनिवार को ईद-उल-फित्र का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह 8:30 बजे शहर की ईदगाह में मुख्य नमाज अदा की गई, जिसमें करीब 2500 से अधिक मुस्लिम भाइयों ने हिस्सा लिया। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और देश-प्रदेश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआएं मांगीं। शहर काजी हाफिज अशफाक अली ने नमाज पढ़ाई और कहा कि ईमान की हिफाजत हर मुसलमान का फर्ज है। रमजान के पवित्र महीने के बाद मिलने वाली यह मीठी ईद अल्लाह का इनाम है। उन्होंने

सभी से भाईचारा, आपसी मोहब्बत और पैगाम-ए-मुहब्बत फैलाने का आह्वान किया।ईदगाह के अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी तय समय पर नमाज हुई। ईदगाह, मस्जिदों और दरगाहों को विशेष रूप से सजाया गया। इस मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह, एसडीओपी जितेंद्र पाठक, कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर मौजूद रहे। कांग्रेस के नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष अनोखीलाल राजोरिया और धर्मेंद्र तिवारी भी बधाई देने पहुंचे।

पत्नी की सच्चाई जानकर पिता ने अपने ही बेटे को किया किडनैप

रीवा। दोपहर मेट्रो

जिले के सोहागी थाना क्षेत्र अंतर्गत त्योंथर चौकी इलाके में उस समय सनसनी फैल गई, जब घर के बाहर खेल रहा 7 वर्षीय मासूम अचानक लापता हो गया। पता चला एक वाहन में सवार होकर आए कुछ लोग उसे उठा ले गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में हडक़ंप मच गया और पुलिस को तत्काल सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सोहागी थाना और त्योंथर चौकी पुलिस हरकत में आ गई। आसपास के क्षेत्रों में तुरंत नाकेबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। जवा पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से जनकहाई जंगल क्षेत्र में उक्त वाहन को रोका और बच्चे को बरामद किया। पूछताछ में पता चला बच्चे को अगवा कर ले जाने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका पिता है।

अनमोल रिसॉर्ट में दूध के जार में मुंह मारता दिखा चूहा

धार। दोपहर मेट्रो

लेबड़ स्थित इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर स्थित होटलों और रिसोर्ट्स में यात्रियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मामला लेबड़ ब्रिज के समीप स्थित होटल अनमोल रिसोर्ट का है, जहां चाय के लिए रखे दूध के जार में एक चूहा मुंह मारता हुआ पाया गया। जब यात्रियों ने इस गंदगी का विरोध किया और वीडियो बनाया, तो रिसोर्ट मालिक और कर्मचारियों ने अपनी गलती मानने के बजाय यात्रियों के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, झाबुआ निवासी एक परिवार इंदौर के निजी अस्पताल में उपचार के लिए जा रहा था। चैत्र नवरात्रि के चलते परिवार के सदस्यों का उपवास था। लेबड़ के पास अनमोल रिसोर्ट पर उन्होंने चाय का ऑर्डर दिया। इसी दौरान उनकी नजर काउंटर पर पड़ी, जहां दूध के खुले जार में एक चूहा मुंह डुबाकर दूध पी रहा था।

जब यात्रियों ने इस नजारे का वीडियो बनाना शुरू किया, तो रिसोर्ट संचालक बिफर पड़ा। यात्रियों का आरोप है कि संचालक और वहां मौजूद कर्मचारियों ने न केवल उनके साथ गाली-गलौज की, बल्कि उन्हें धमकाते हुए वहां से जाने को कहा। विवाद बढ़ता देख पीड़ित परिवार वहां से इंदौर की ओर रवाना हो गया। हालांकि, इस मामले में अभी तक खाद्य विभाग को औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

यह घटना फोरलेन पर स्थित ढाबों की स्वच्छता व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। स्थानीय लोगों और नियमित यात्रियों का कहना है कि खाद्य विभाग की टीमें कभी भी इन फोरलेन स्थित होटलों और ढाबों की जांच नहीं करती हैं। इंदौर से लेकर धार तक कई ऐसे ढाबे हैं, जिनके किचन में भारी गंदगी और सड़ा-गला सामान इस्तेमाल किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर | सप्त दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन महोत्सव का आयोजन

सभी भगवान की शरण में आएं और परमात्मा से जुड़ें-कृष्णा मां

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर के प्रसिद्ध नौ देवी पिपलेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर मंदिर समिति द्वारा रजत जयंती समारोह के अंतर्गत सप्त दिवसीय आध्यात्मिक प्रवचन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर परम पूज्य कृष्णा मां अपने रसपूर्ण प्रवचनों से श्रद्धालुओं को धर्म और अध्यात्म का संदेश दे रही हैं। प्रवचन के दौरान कृष्णा मां ने कहा कि प्रत्येक कथा में भगवान हनुमान की उपस्थिति मानी जाती है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि लोग यह सोचकर कथा में नहीं जाते कि उन्होंने कोई पाप नहीं किया है, तो क्या हनुमान जी ने पाप किए हैं जो वे हर कथा में उपस्थित रहते हैं। कथा का उद्देश्य आत्मशुद्धि और ईश्वर से जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य की इच्छा अनुसार कार्य होता है तो वह प्रसन्न होता है, लेकिन जब इच्छानुसार नहीं होता तो उसमें भी ईश्वर की मर्जी होती है, जो कई बार हमें अनजाने संकटों और बुरे कर्मों से बचाती है। इसलिए जो ईश्वर चाहता है वही होता है और वही हमारे हित में होता है। महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किचन शब्द के स्थान पर रसोई घर या प्रसाद घर जैसे भारतीय शब्दों का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि जहां श्रद्धा और भाव से भोजन बनता है वह प्रसाद के समान होता है। उन्होंने सिंदूर के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सुहागिन महिलाओं की पहचान और परंपरा का प्रतीक है। कृष्णा मां ने माताओं से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपनी बेटियों को अच्छे संस्कार दें, ताकि वे जीवन में सही मार्ग पर चल सकें और किसी भी प्रलोभन में न आएं। उन्होंने पंच कन्याओं–अहिल्या, तारा, मंदोदरी, कुंती और द्रौपदी के जीवन प्रसंगों का वर्णन करते हुए उनके आदर्शों से सीख लेने की प्रेरणा दी।

न्यूज विंडो

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सफाई व पूजन कार्यक्रम आयोजित

तेंदूखेड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 19 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 (वर्ष प्रतिपदा से रामनवमी) तक प्रथम चरण में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर की बड़ी खेर माई घाट, गौरईया नदी तट पर साफ-सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान नदी तट की स्व'छता की गई तथा जल पूजन एवं दीप प्रज्जवलन कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम जन अभियान परिषद तेंदूखेड़ा के मार्गदर्शन में नवांकुर चयनित संस्था हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन तेंदूखेड़ा के कार्यकर्ताओं द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक दीपचंद मालवीय सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई और स्व'छता अभियान में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयास को प्रोत्साहित करना रहा। इस कार्यक्रम में कमलेश साहू, पवन यादव, आशीष रैकवार, दीपेश कटारे, संदीप साहू, राजेश सिंह, लक्ष्मी लोधी, कंचन धुर्वे, रीना सौधिया, निधि शर्मा, नीलेश पोर्ते, कुनाल राय, रामगोपाल साहू, रोहित केवट सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं ने योगदान दिया।

भक्ति के रंग में डूबा नगर, चारों ओर गूंज रहे जयकारे, मंदिरों में लग रही कतार

तेंदूखेड़ा। चैत्र नवरात्रि पर चारों ओर मंदिरों में सुबह चार बजे से भक्तों की भीड़ बढ़ रही है। मंदिरों में नवरात्रि का उल्लास अब चरम पर है हर तरफ माता के जयकारे गूंज रहे है नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की घर घर पूजा अर्चना का क्रम चलता रहा। वहीं मंदिरों में माता रानी का विशेष श्रृंगार किया गया और पूजा अर्चना हुई वही बुन्देलखण्ड की धरती पर आदिशक्ति मां जगदम्बा अनेकों रुपों में विराजमान हैं हर स्थान का अपना अपना प्रभाव व प्रमाण है। जहां तेंदूखेड़ा नगर में बड़ी खेरमाई छोटी खेरमाई महाकाली मंदिर ज्वाला देवी मंदिर दुर्गा मंदिर सहित अन्य देवी देवताओं के मंदिर मौजूद हैं और यहां पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जाती है। इसी तरह तेन्दूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 2 में भागीरथ रजक पड़ा के निवास पर बने मां शारदा देवी मंदिर में विराजी मां शारदा की ख्याति दूर दूर तक फैली हुई है। मां के दर पर आने वाले श्रद्धालुओं की हर मनोकामना यहां पर पूरी होती है। यहां पर हर दिन दर्जनों श्रद्धालु मां के दर्शन करने आते हैं नौ दिनों तक मां के चारों ओर जयकारे गूंजते हैं वहीं नगर में सिद्ध स्थानों पर मनोकामना तो पूरी होती है साथ ही नगर में एक स्थान ऐसा भी है जहां पंडा में अनेक सिद्धियां प्राप्त है जिनके पास दूरदराज के लोग आकर उदास चेहरे को हंसते हुए चेहरे को लेकर जाते हैं। नगर के भागीरथ पंडा के पास अनेक सिद्धियां है जो अनेक बिगड़े लोगों के कार्यों को सुधारकर उनके उदास चहरे पर खुशी के रंग भर देते हैं क्योंकि इन पंडा के ऊपर शारदा देवी मां की अटूट कृपा है। भागीरथ पंडा मां शारदा के अटूट भक्त हैं वो प्रतिवर्ष अपने घर से पैदल चलकर हर साल मैहर दर्शन करने जाते हैं उन्होंने बताया कि नवंबर माह में उनकी यह 30 वी पद यात्रा होगी।

बेमौसम बारिश और ओला गिरने से शरबती गेहूं की चमक पर पड़ सकता है असर

जिले के सौ से अधिक गांवों में आंधी बारिश और ओलावृष्टि से फसल को हुआ नुकसान

सागर। दोपहर मेट्रो

अचानक मौसम ने करवट बदलते ही फसलों को नुकसान हुआ है. शुक्रवार को जिले के सौ से अधिक गांवों में आंधी बारिश और ओलावृष्टि ने फसल का नुकसान किया है। रहली, सुरखी,बंडा, शाहगढ़, देवरी क्षेत्र में आंधी के साथ बारिश व ओलो ने खड़ी फसल को बिछा दिया। कटी पड़ी फसल भीग गई है। बेमौसम बारिश से परेशान किसान खेत खलिहान में अपनी फसल बचाते दिखे. जानकारी के अनुसार जिले में इस बार 3 लाख 35 हजार हैक्टेयर में गेहूं बोया गया है। बारिश से गेहूं के दाने की चमक फीकी पड़ सकती है. चना व मसूर की फसल में भी नुकसान की आशंका है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में गरज-चमक के साथ बारिश व ओलावृष्टि की आशंका जताई है.

शाहगढ़ क्षेत्र के गांव चकेरी शाहगढ़, निहानी, रैयतवारी, मुंडी, भीकमपुर आवाद, सांदागिर में गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। रहली व आसपास देर शाम तेज बारिश हुई। बीना के मंडी बामोरा और एरण, सेमरखेड़ी, निवोदा, जरूआखेड़ा में बेर के आकार के ओले भी गिरे। वहीं बीना सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में करीब 15 मिनट तक तेज बारिश हुई। खुरई तहसील क्षेत्र के गांवों में गुरुवार की रात हल्की बारिश के बाद शुक्रवार को ओले गिरे। जब बारिश, ओले गिरे तब हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई भी चल रही थी। चने की थ्रेसिंग हो रही थी। कृषि उप संचालक राजेश त्रिपाठी ने बताया कि ज्यादातर खुरई, बांदरी, मंडी बामोरा तरफ ओला-बारिश ने शरबती गेहूं को नुकसान हुआ है। दाने की चमक पर असर दिखेगा। शुक्रवार-शनिवार की रात भी बारिश जारी रही तो ज्यादा नुकसान हो सकता है। सर्वे कराया जा रहा है।

दिन का तापमान गिरा

ग्रामीण इलाकों में बूंदाबांदी हुई। दिन का अधिकतम तापमान 5 डिग्री तथा रात का तापमान 3 डिग्री गिरा है। सागर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम पारा 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में 0.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

धार जिला जेल के अंदर वसूली का काला खेल सुधीर जैन के लिए बाहर से आ रहे हैं पकवान

धार। दोपहर मेट्रो

जिला जेल धार एक बार फिर विवादों के घेरे में है। वर्ष 2023 के बहुचर्चित भेरू लाल हत्याकांड के मुख्य गवाह बंदी सुनील पिता संतोष के भाई रोहित ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश को पत्र लिखकर अपने भाई की जान बचाने की गुहार लगाई है। आरोप है कि जेल अधीक्षक राजाराम डांगी और उनका स्टाफ गवाही बदलवाने के लिए बंदी को न केवल प्रताड़ित कर रहे हैं, बल्कि उसे झूठे मामलों में फंसाकर जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। पत्र में आरोप है कि सेंट टेरेसा के जमीन घोटाले के मुख?य आरोपी सुधीर जैन को भी पैसे लेकर जिला जेल में विशेष सुविधाएं दी जा रही है।

शिकायत के अनुसार, 27 फरवरी 2023 को जेल में बंदी भेरू लाल की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। न्यायिक मजिस्ट्रेट की जांच में जेल अधीक्षक राजाराम दांगी और अन्य कर्मचारियों को दोषी पाया गया था। इस मामले में सुनील मुख्य गवाह है। आरोप है कि गवाही से पलटने के लिए पहले सुनील को लालच दिया गया और अब उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। हाल ही में 13 मार्च 2026 को जेल में मोबाइल मिलने की घटना ने नया मोड़ ले लिया है। पीड़ित के भाई का आरोप है कि जेल अधीक्षक ने 250 करोड़ के घोटाले के आरोपी सुधीर जैन को सुविधा देने के लिए सुनील के माध्यम से मोबाइल अंदर मंगवाया था। लेकिन जब सहायक जेल अधीक्षक कमल पलासिया ने मोबाइल पकड़ लिया, तो अधीक्षक ने खुद को बचाने के लिए सारा दोष सुनील पर डाल दिया और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पत्र में यह भी आरोप लगाए गए है कि राजाराम डांगी द्वारा सुधीर जैन को विशेष सुविधाए देने के एवज में 10 लाख रुपये की राशि भी ली गई है। सुधीर जैन के लिए जेल में बाहर से मिठाई, पकवान और खाना भी अलग से आता है। 24 फरवरी को ही राजाराम डांगी ने सुधीर जैन को बाहरी लोगो से बात करने के लिए मेरे भाई सुनिल को ऑफ?स में मोबाइल दिया था, यह मोबाइल मिठाई के डब?बे में रखकर मंगवाया गया था, इससे पहले भी यह मोबाइल चैकिंग के दौरान पकड़ाया था, लेकि?न अधीक्षक ने प्रहरी से उसे वापस करवा दिया था। 13 मार्च को सुबह साढे 6 बजें बंदी की गोपनिय सूचना के सहायक जेल अधीक्षक कमल पलासिया ने पकड़ा और मेरे भाई पर एफआईआर दर्ज करवा दी थी। शिकायतकर्ता ने जेल प्रशासन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हुए बताया कि जेल में नए बंदियों से झाड़ू न लगवाने के नाम पर 10 हजार से 25 हजार रुपये तक की वसूली की जाती है। मनचाही बैरक में भी 1 हजार से दो हजार रुपये चुकाने पड़ते है। विशेष मुलाकात के लिए परिजनों से 5 हजार रुपयों तक की मांग की जाती है। बंदियों को गुटखा-जर्दा उपलब्ध कराना, फिर तलाशी का डर दिखाकर दस से बीस हजार रुपये वसूलना जैसे खेल जिला जेल में चल रहे है।

भाभी को मरने तक डंडे से पीटता रहा देवर

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले के सलामतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खोहा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया। घरेलू विवाद में एक देवर ने अपनी ही भाभी की डंडों से बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका घर पर खाना बना रही थी, तभी उसका देवर रामू मालवीय वहां पहुंचा और उसने भाभी से चाय बनाने के लिए कहा। किसी कारणवश भाभी ने चाय बनाने से इनकार कर दिया, जिससे दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने आपा खो दिया और पास में रखे डंडे से भाभी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में मृतका का 8 वर्षीय बेटा भी मौजूद था, जिसने अपनी मां पर हो रहे इस हमले को अपनी आंखों के सामने देखा।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना टी.टी. नगर नगरीय पुलिस भोपाल

क्रं./थाप्र./टी.टी.नगर/भो./गुम इंसान क्रं. 23/2026 दिनांक 18/03/2026

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना टी.टी. नगर भोपाल पर गुमइंसान क्रमांक 23/2026 दिनांक 06/03/26 को पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया जिसमें गुमशुदा शनि श्रीवास पिता अशोक श्रीवास उम्र 26 साल म.नं. 806 झरनेश्वर मंदिर के पास बाणगंगा थाना टी.टी. नगर भोपाल गुमशुदा की लगातार हर संभव तलाश पतारसी के प्रयास किये जा रहे जिसका हुलिया रंग सावला, कद 5 फिट 4 इंच लगभग, चेहरा गोल, हस्ट पुस्ट, बाल काले, हल्की मूंछ रखता है, क्रीम कलर की शर्ट चौकड़ीदार व ब्लू कलर का जीन्स की पैन्ट पहने है, पैर में सफेद कलर का स्पोर्ट का जूता पहना है गले में सोने की चैन पहना है जिसका अभी तक कोई पता नहीं चला है गुमशुदा शनि श्रीवास के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त होती है तो थाना टी.टी.नगर में आकर संपर्क करे अथवा एच.सी.एम. मो.नं.9479990445 थाना प्रभारी मो.नं. 9479990444 व जांचकर्ता प्र.आर. 2597 ओम प्रकाश मिश्रा मो.नं. 7049105546 पर सूचित करे।

अतः गुमशुदा शनि श्रीवास की कोई जानकारी मिलती है तो थाना टी.टी.नगर में आकर संपर्क करें अथवा एच.सी.एम. मो.नं.9479990445 थाना प्रभारी मो.नं.9479990444 व जांचकर्ता प्र.आर.2597 ओम प्रकाश मिश्रा मो.नं. 7049105546 पर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना टी.टी.नगर भोपाल

जी-27720/25

मेट्रो एंकर

ग्राम पंचायत सर्रा का मामला, आंशिक भुगतान के बाद जुड़ी बिजली लाइन

ग्रामीणों के विरोध के बाद पंचायत ने जमा किए 99,950 रुपए, बिजली बहाल,पानी के लिए तरसे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सर्रा में विगत चार दिनों से बंद पड़ी जल आपूर्ति शुक्रवार की सुबह से पुनः शुरू होने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। ग्राम पंचायत द्वारा विद्युत कंपनी में 99950 रुपये की आंशिक राशि जमा किए जाने के बाद दोनों बिजली कनेक्शन बहाल कर दिए गए हैं, जिससे जल सप्लाई व्यवस्था सुचारु हो गई है। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत पर लगभग 10 लाख रुपये का विद्युत बिल बकाया था, जिसके चलते विद्युत कंपनी ने पंचायत के दो बिजली कनेक्शन काट दिए थे। इन कनेक्शनों के कटने से गांव की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई थी, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। पानी की कमी के कारण दैनिक जीवन प्रभावित हो गया था और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त था। स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने पंचायत भवन पर धरना प्रदर्शन किया और पंचायत प्रशासन से जवाब मांगा। ग्रामीणों का कहना था कि वे नियमित रूप से पानी का शुल्क पंचायत को जमा करते हैं, इसके बावजूद समय पर विद्युत बिल का भुगतान क्यों नहीं किया गया। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों ने सरपंच से भी चर्चा की और जल्द समाधान की मांग की। ग्रामीणों के दबाव और समस्या की गंभीरता को देखते हुए पंचायत ने तत्परता दिखाते हुए विद्युत कंपनी में 99, हजार 950 रुपये की राशि जमा की। पंचायत द्वारा यह भी आश्वासन दिया गया है कि शेष बकाया राशि आगामी 4-5 दिनों के भीतर जमा कर दी जाएगी।ग्रामवासियों ने उम्मीद जताई है कि अब जल आपूर्ति नियमित रूप से जारी रहेगी और भविष्य में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। पंचायत से भी अपेक्षा की जा रही है कि वह वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता बनाए रखे और आवश्यक सेवाओं में बाधा न आने दे। विद्युत कंपनी के सहायक अभियंता एम.एफ. अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत द्वारा आंशिक भुगतान किए जाने और शेष राशि शीघ्र जमा करने के आश्वासन के आधार पर फिलहाल बिजली लाइनें पुनः जोड़ दी गई हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि पेयजल आपूर्ति जल्द बहाल हो सके।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य याँत्रिकी खण्ड, भोपाल
लिंक रोड नं.-2 माता मंदिर चौराहा के समीप, हर्षवर्धन नगर के सामने, भोपाल

Tel.:-(0755) 2924467, e-mail:-eephbpl@mp.nic.in

क्र.-592/तक./का.यं./लो.स्वा.यां. खंड/भोपाल/2025-26 दिनांक 17.03.26

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केंद्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई टेंडरिंग पद्धति द्वारा आनलाईन निविदाओं में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखी जा सकती है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

सिस्टम जनरेट आई डी क्र.	खण्ड	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र की राशि रू.	ठेके की अनु. राशि रू.	अमानत राशि रू.	निविदा आनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि	1.कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्रमांक
1	2	3	4	5	6	7	8
2026_PHED_491587_1	भोपाल	Drilling of 15 Nos 150/125/115mm dia 120 mtr Deep vertical Ordinary tubewells in different habitations of Block-PHANDA/BERASIA District BHOPAL Including installation of hand pumps and construction of cement concrete plateforms and all allied works complete. (Group-01)	2000.00	1530000/-	30600/-	30.03.2026	(1) 04 माह (वर्षाकाल छोड़कर) (2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य है। (3) प्रथम आमंत्रण
2026_PHED_491588_1	भोपाल	Drilling of 15 Nos 150/125/115mm dia 120 mtr Deep vertical Ordinary tubewells in different habitations of Block-PHANDA/BERASIA District BHOPAL Including installation of hand pumps and construction of cement concrete plateforms and all allied works complete. (Group-02)	2000.00	1530000/-	30600/-	30.03.2026	(1) 04 माह (वर्षाकाल छोड़कर) (2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य है। (3) प्रथम आमंत्रण
2026_PHED_491589_1	भोपाल	Drilling of 15 Nos 150/125/115mm dia 120 mtr Deep vertical Ordinary tubewells in different habitations of Block-PHANDA/BERASIA District BHOPAL Including installation of hand pumps and construction of cement concrete plateforms and all allied works complete. (Group-03)	2000.00	1530000/-	30600/-	30.03.2026	(1) 04 माह (वर्षाकाल छोड़कर) (2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य है। (3) प्रथम आमंत्रण

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-27721/25

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. खण्ड, भोपाल

पहली बार आईपीएल के सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

छह कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरूआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। ईशान किशन पहली बार किसी आईपीएल की कप्तानी करेंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था, रजत पाटीदार ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को खिताब दिलाया, जबकि हार्दिक पांड्या ने 2022 में गुजरात टाइटंस को ट्रॉफी जिताई थी।

अय्यर ने तीन फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया – श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी। इसके बाद 2024 में उन्होंने केकेआर को चैंपियन बनाया और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम आरसीबी से हार गई।

आस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज आईपीएल के शुरूआती मैच नहीं खेलेंगे – मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड समेत चार तेज गेंदबाज इस महीने के आखिर में शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग के सत्र के शुरूआती मैच नहीं खेल सकेंगे जिससे उनकी टीमों को करारा झटका लगा है। रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड आईपीएल की शुरूआत में उपलब्ध नहीं होंगे जबकि नाथन एलिस पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया आगामी व्यस्त सत्र को देखते हुए काफी संभलकर अपने तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन कर रहा है ।आस्ट्रेलिया को अगले एक साल में 21 टेस्ट खेले हैं। आस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड का दौरा करेगी जबकि 2027 में वनडे विश्व कप होना है। रिपोर्ट में कहा गया, ये तीनों तेज गेंदबाज अगले कुछ सप्ताह में लौटेंगे।

धोनी-रोहित सबसे सफल कप्तान

आईपीएल इतिहास में सबसे सफल कप्तानों की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा शीर्ष पर हैं। दोनों ने अपनी-अपनी टीमों को 5-5 बार चैंपियन बनाया है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा मैच (229) और जीत (134) दर्ज हैं, जबकि रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाए हैं।

गेंदबाजी को काफी निखार रहे हैं भरत-पंत

लखनऊ। आईपीएल के पिछले सत्र में गेंदबाजी लखनऊ सुपर किंग्स की कमजोर कड़ी थी लेकिन कप्तान ऋषभ पंत का कहना है कि सहयोगी स्टाफ में भरत अरूण के आने से इस विभाग में टीम को मजबूत करने में काफी मदद मिल रही है। पंत ने कहा लखनऊ टीम के चेन्नई में लगाये गए शिविर और भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच अरूण के जुड़ने से टीम के युवा तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। पंत ने कहा, तेज गेंदबाजों के साथ शिविर बेहतरीन रहा । भरत अरूण के आने से काफी मदद मिल रही है। हमने इस पर काफी बात की है कि मैं गेंदबाजों से क्या चाहता हूं और वह इसमें क्या मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, वह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कोचों में से एक हैं और उनके साथ काम करने के अनुभव के कारण मुझे पूरा भरोसा है। वह अपने साथ अपार अनुभव लाये हैं। गेंदबाजों को उन पर भरोसा है और वे उनसे बात करते हैं।

आईपीएल सत्र नहीं खेल सकेंगे सैम कुरेन

जयपुर। इंग्लैंड के करिश्माई हरफनमौला सैम कुरेन ग्रोइन की चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स के लिये इंडियन प्रीमियर लीग का अगला सत्र नहीं खेल सकेंगे जबकि टीम विकल्प पर विचार कर रही है। कुरेन को राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था।

आईपीएल के जरिये वनडे विश्व कप संभावितों को तलाशेंगे चयनकर्ता

नयी दिल्ली। वनडे विश्व कप में अभी एक साल का समय है लेकिन भारत के 20 संभावित खिलाड़ियों का अनुमान लगाया जा चुका है और पांचों राष्ट्रीय चयनकर्ता 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में इन खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे। अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति में एसएस दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा हैं । विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 अक्टूबर नवंबर में होगा। चयन समिति के सदस्य अपने अपने बेस में मैचों के दौरान मौजूद रहेंगे जबकि बाकी मैच टीवी पर देखेंगे। आईपीएल के पहले मैच में गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। चयन समिति मुल्लांपुर में छह से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिये भी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारेगी हालांकि इस मैच से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अंक नहीं मिलने हैं ।

टीम इंडिया के शेड्यूल में बड़ा सरप्राइज!

इंग्लैंड दौरे से पहले आयरलैंड जाएगी मैन इन ब्लू

नई दिल्ली, एजेंसी ,

टीम इंडिया का इस साल शेड्यूल काफी व्यस्त है। हाल ही में भारत ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर इतिहास रचा था। खिताबी जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी 28 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग में व्यस्त होने वाले हैं। आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद अफगानी टीम तीन वनडे और 1 टेस्ट मैच के लिए भारत का दौरा करेगी।

व्यस्त अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल के बीच भारतीय टीम जून के आखिर में आयरलैंड दौरे पर जाने वाली है, जहां दो व्हाइट बॉल मुकाबले खेले जाएंगे। अफगानिस्तान और इंग्लैंड सीरीज के बीच होने जा रहा यह दौरा तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। हालांकि अभी मैचों के फॉर्मेट की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों मुकाबले टी20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। इस दौरे का औपचारिक तौर पर ऐलान जल्द ही भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और क्रिकेट आयरलैंड की तरफ से किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार ये मैच जून के चौथे हफ्ते में खेले जाएंगे। यह छोटा दौरा टीम इंडिया के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के बीच फिट किया गया है। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत 1 जुलाई से होनी है। ऐसे में टीम इंडिया आयरलैंड में मेजबान देश के खिलाफ मुकाबले खेलेगी और फिर सीधे इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक कि बीसीसीआई ने हालिया नमन अवॉर्ड्स समारोह के दौरान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को आयरलैंड दौरे के बारे में संकेत दे दिया गया था। आमतौर पर भारत आयरलैंड दौरे पर 3 मैचों की सीरीज खेलता रहा है। 2018, 2022 और 2023 में ऐसा ही देखने को मिला था, लेकिन इस बार शेड्यूल बेहद टाइट है। अफगानिस्तान और इंग्लैंड सीरीज के बीच बहुत कम समय होने के कारण सिर्फ 2 मैचों की विंडो ही निकाली जा सकी।

भारतीय टीम दिसंबर तक लगातार खेलेगी मैच

देखा जाए तो जून से लेकर दिसंबर तक भारतीय टीम लगातार क्रिकेट खेलेगी, जिसमें घरेलू और विदेशी दोनों सीरीज शामिल हैं। जून में अफगानिस्तान की टीम भारत दौरे पर आएगी। फिर भारत का आयरलैंड और इंग्लैंड दौरा होगा। अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ उसकी धरती पर 2 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, जबकि सितंबर में बांग्लादेश दौरे की संभावना है, जहां वनडे और टी20 सीरीज प्रस्तावित है। इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ न्यूट्रल वेन्यू पर 3 टी20 मैच भी खेले जाएंगे। इसके अलावा वेस्टइंडीज टीम भारत आकर वनडे और टी20 सीरीज खेलेगी। वहीं जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय टीम हिस्सा लेगी। अक्टूबर-नवंबर में भारत न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगा, जहां तीनों फॉर्मेट की सीरीज होगी। साल के अंत में श्रीलंका की टीम भारत आकर वनडे और टी20 मुकाबले खेलेगी।

एफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए भारतीय टीम बैंकॉक पहुंची

बैंकॉक । भारत की 24 सदस्यीय अंडर-20 महिला टीम अगले महीने होने वाले एफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंच गई। भारतीय टीम स्थानीय हालात में ढलने के लिए थोड़ा पहले ही बैंकॉक पहुंची है। 20 साल बाद एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय महिलाओं को 2 अप्रैल को जापान के खिलाफ अपने पहले ग्रुप सी मैच से पहले बैंकॉक में स्थानीय हालात के हिसाब से ढलने के लिए 13 दिन का समय मिलेगा। इसके बाद भारत 5 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और 8 अप्रैल को चीनी ताइपे से भिड़ेगा। ग्रुप की टॉप दो टीमें और तीनों ग्रुप में तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंचेंगी। इसके अलावा, चार क्वार्टर-फाइनल विजेता फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालिफाई करेंगे। स्वीडिश हेड कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन के नेतृत्व में भारत ने जनवरी में बेंगलुरु में अपना ट्रेनिंग कैंप शुरू किया था। उनका स्वीडन में एक महीने का कैंप था, जहां उन्होंने स्वीडिश क्लब साइड्स की सीनियर टीमों के खिलाफ पांच मैत्रीपूर्ण मैच खेले।

पीएसएल में बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खेलने पर बना हुआ है सस्पेंस

बीसीबी बोला-सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही पाक जाएंगे खिलाड़ी, सुरक्षा कारणों से फैसला

ढाका। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की भागीदारी अब सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने क्षेत्रीय तनाव को देखते हुए यह फैसला लिया है। पहले बोर्ड ने 6 खिलाड़ियों को एनओसी दिया था। इनमें मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन एमोन, शोरीफुल इस्लाम, नाहिद राणा, तंजीद हसन तमीम और रिशाद हुसैन शामिल हैं। पीएसएल 26 मार्च से 3 मई तक खेला जाना है, लेकिन अब खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने से पहले सरकार से अनुमति ली जाएगी।

पाक-अफगान सीमा पर तनाव- बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट ऑपरेशंस चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि मौजूदा हालात सामान्य नहीं हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव की वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर खतरा है। उन्होंने बताया, आम तौर पर हमें सरकार से पूछने की जरूरत नहीं पड़ती। हम एनओसी देते हैं, खिलाड़ी जाकर खेलते हैं और वापस आ जाते हैं, लेकिन अभी स्थिति अलग है, इसलिए हम सरकार से चर्चा करेंगे।

सरकार तय करेगी

नजमुल आबेदीन ने आगे कहा कि बोर्ड के लिए वहां की जमीनी हकीकत को समझना मुमकिन नहीं है। यह काम सरकार का है। उन्होंने कहा, सरकार को वहां की सुरक्षा स्थिति के बारे में बेहतर जानकारी होगी, और सरकार ही तय करेगी कि पाकिस्तान जाना सुरक्षित है या नहीं। अगर सरकार हमें हरी झंडी देती है, तभी खिलाड़ी वहां जाएंगे। सैद्धांतिक रूप से हमने एनओसी देने का फैसला किया है, लेकिन सब कुछ उस समय के हालात पर निर्भर करेगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रश्मिका ने जाहिर की अवॉर्ड मिलने की खुशी

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के जीवन का 2026 एक महात्वपूर्ण साल रहा। मैसा आने वाली है। वहीं फरवरी में विजय देवराकोंडा के साथ उनकी शादी भी हुई है। इसके साथ ही उनके बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स भी लाइन अप हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपने राज्य स्तर पर सम्मान पाने की खुशी जाहिर की।

साझा किया बचपन का किस्सा – 19 मार्च 2026 की रात तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स 2025 के शानदार आयोजन में रश्मिका मंदाना भी पहुंची थी। वहां उन्हें द गर्लफ्रेंड के लिए इस स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अपनी इस खुशी को रश्मिका ने सोशल मीडिया पोस्ट को जरिए शेयर किया। उन्होंने लिखा, % जब मैं छोटी बच्ची थी और कोई राज्य स्तर पर विजेता बनता था, तो मुझे वो सुपरस्टार की तरह देखते थे। मैं सोचती थी कि उन्होंने ये सब कुछ कैसे अचीव किया, वे दिन भर क्या करते हैं, वगैरह। और कल शाम राज्य पुरस्कार जीतना मेरे सपनों के पूरे होने जितना खास था। मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां कर सकती हूँ, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि मैंने बहुत लंबा सफर तय किया है। मुझे इसके लिए खुशी है।

खूबसूरत तस्वीरें साझा कर सुनाया बचपन का किस्सा

कई सेलेब्स पहुंचे अवॉर्ड शो में

रश्मिका इस समारोह में अपनी सास के साथ पहुंची थीं। वहीं इस खास मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस समारोह के दौरान कई अवॉर्ड दिए गए। इस खूबसूरत शाम में चिरंजीवी, कमल हासन, अक्किनेनी नागार्जुन, नागा चैतन्य, रश्मिका मंदाना और माधुरी दीक्षित जैसे कई बड़े सितारे इसमें शामिल हुए। रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें कॉकटेल 2, रणबाली, एनिमल पार्क, पुष्पा 3 और मैसा के नाम शामिल हैं। फिल्म रणबाली में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा। बात करें फिल्म मैसा की तो इसमें रश्मिका बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी।

मेट्रो बाजार

मध्य पूर्व संकट के बीच भारत के ऑटो सेक्टर अभी सुरक्षित

नई दिल्ली। खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के कारण भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को आने वाले हफ्तों में सप्लाई से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि अभी तक इसका सीधा असर फैक्ट्रियों पर नहीं पड़ा है, लेकिन इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो 4 से 6 हफ्तों में असर दिखना शुरू हो सकता है। इंडस्ट्री के अधिकारियों के अनुसार, सबसे बड़ी चिंता गैस सप्लाई को लेकर है, क्योंकि कई मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं में गैस का अहम इस्तेमाल होता है। कमर्शियल एलपीजी और अन्य इंडस्ट्रियल गैस पेंट शॉप, कास्टिंग यूनिट और फोर्जिंग जैसे कामों में जरूरी होती हैं। अगर इनकी कमी बनी रहती है तो कच्चे माल की लागत बढ़ सकती है।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑटो सेक्टर से जुड़े कई सप्लायर्स ने पहले ही मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण देरी की समस्या की जानकारी दी है। खास तौर पर कतर से गैस सप्लाई लगभग रुक गई है, क्योंकि वहां ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों से उत्पादन प्रभावित हुआ है। फिलहाल कंपनियों के पास 4 से 6 हफ्तों तक का कंपोनेंट स्टॉक मौजूद है, जिससे उन्हें कुछ समय के लिए राहत मिली हुई है। लेकिन इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर यह संकट दो महीने से ज्यादा चलता है तो असली दिक्कत शुरू हो सकती है, खासकर उन प्रक्रियाओं में जहां ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। अगर गैस की कमी और समुद्री परिवहन में रुकावट बढ़ती है तो उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि अभी तक बड़ी ऑटो कंपनियों जैसे महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और किआ इंडिया ने कहा है कि फिलहाल उनके प्रोडक्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

केंद्र ने आईटी रूल्स 2026 के लिए अधिसूचना जारी की, रिटर्न फाइल करना आसान हुआ

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने आयकर नियम, 2026 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इससे नए आयकर अधिनियम 2025 के लिए मंच तैयार होगा, जो कि 1 अप्रैल, 2026 से लागू होने वाला है, जिसमें पारदर्शिता, अधिक सख्त डिस्क्लोजर और बेहतर अनुपालन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने ई-राजपत्र में आयकर नियम, 2026 प्रकाशित किए हैं, जो पूर्ववर्ती प्रावधानों का स्थान लेते हैं और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक विस्तृत ढांचा निर्धारित करते हैं। नए नियमों का उद्देश्य प्रोसेस को आसान करना और कैपिटल गेन, स्टॉक मार्केट लेनदेन और एनआरआई टैक्स से जुड़े रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड को सख्त करना है। ये नियम इस साल की शुरुआत में जारी किए गए मसौदा प्रस्तावों के बाद आए हैं और भारत की कर प्रणाली को आधुनिक बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, ÷इन बदलावों से कोई नया कर लागू नहीं होता, बल्कि बेहतर निगरानी और पारदर्शिता पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिसके लिए अधिक डिस्क्लोजर और डिजिटल ट्रैकिंग की आवश्यकता होगी।÷ आयकर नियम, 2026 में सबसे बड़ी हाईलाइट हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) है। नए नियम के तहत अब बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद के लोग भी सैलरी के 50 प्रतिशत हिस्से पर एचआरए क्लेम कर सकते हैं, पहले यह लिमिट केवल मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता जैसे शहरों में रहने वाले लोगों के लिए थी। हालांकि, बाकी के अन्य शहरों के लिए यह लिमिट अभी भी 40 प्रतिशत बनी हुई है।

लैक्मे फैशन वीक में माहिका शर्मा बनीं शोस्टॉपर

अनामिका खन्ना के 'इम्परफेक्ट फ्लावर्स' कलेक्शन ने लूटी महफिल

माहिका शर्मा ने रैंप पर व्हाइट फ्लोई ड्रेप आउटफिट में बेहद ग्रेसफुल एंट्री ली। उनके लुक को खास बनाने के लिए उन्होंने फ्रिल्स वाला कस्टमाइज्ड हैंडबैग कैरी किया, साथ में फ्रिल्ड फुटवियर और ड्रॉप ईयररिंग्स पहने। बालों को उन्होंने साफ-सुथरे बन में बांधा था, जिसमें सामने की ओर कुछ लटें खुली रखी थीं। मीडिया से बात करते हुए महिएका ने बताया कि यह दूसरी बार है जब वह अनामिका खन्ना के लिए रैंप वॉक कर रही हैं, लेकिन इस बार वह उनके लिए एक्सक्लूसिव थीं। वहीं, अनामिका खन्ना ने अपने कलेक्शन के बारे में बताते हुए कहा कि यह 'इम्परफेक्ट फ्लावर्स' से इंस्पायर्ड है। उनका कहना था कि जैसे गुलाब वहां भी उगता है जहां उसे नहीं होना चाहिए, उसी सोच को उन्होंने अपने डिजाइन में दिखाया है।

माहिका ने इस दौरान भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 वर्ल्ड कप में जीत पर भी खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है, लेकिन उनके लिए 'प्लेयर ऑफ द टीम' हार्दिक पंड्या हैं। अनामिका खन्ना के एके7ओके लेबल के इस कलेक्शन में मल्टीपर्पज आउटफिट्स देखने को मिले, जिन्हें अलग-अलग तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। इसमें धोती पैंट्स, रफल्ड टॉप्स, को-ऑर्ड सेट्स और फ्लोर-लेंथ गाउन्स शामिल थे। साथ ही हैंड एम्ब्रॉयडरी, गोल्ड जरी वर्क, 3डी डिटेलिंग और असिमेट्रिकल डिजाइन ने कलेक्शन को और खास बना दिया।

बिहार की लाइफलाइन पर संकट...

भागलपुर के विक्रमशिला सेतु के तीन पिलर कमजोर प्रोटेक्शन वाल टूटे

भागलपुर। भागलपुर को कोसी-सीमांचल समेत देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने वाले विक्रमशिला सेतु के तीन पिलरों के प्रोटेक्शन वाल गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एक पिलर का प्रोटेक्शन वाल पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है, जबकि दूसरा टूटकर लटक रहा है और तीसरे का आधा हिस्सा टूट गया है।गंगा नदी के मध्य स्थित 17, 18 और 19 नंबर प्रोटेक्शन वाल के टूटकर लटकने से मुख्य पिलरों पर खतरा बढ़ गया है। ये क्षतिग्रस्त हिस्से बार-बार पिलर से टकराकर संरचना को नुकसान पहुंचा सकते हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, बाढ़ के दौरान तेज बहाव में जहाज, नाव या भारी वस्तुओं के सीधे पिलर से टकराने पर स्थिति और गंभीर हो सकती है।

न्यूज विंडो

12वीं मंजिल की बालकनी से गिरकर 3 साल के मासूम की मौत

ग्रेटर नोएडा। यूपी के ग्रेटर नोएडा वेस्ट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मासूम बच्चा, बिल्डिंग की 12वीं मंजिल से नीचे गिर गया है, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला गौर सिटी 7 एवेन्यू का है। इस घटना से सोसाइटी में हड़कंप मच गया है और लोग इस घटना पर दुख जता रहे हैं।मिली जानकारी के मुताबिक, 3 साल का मासूम बच्चा 12वें फ्लोर की बालकनी में खेल रहा था। बच्चा घर में अकेला था और उसकी मां दूसरे बच्चे को ट्यूशन के लिए छोड़ने गई थी। अचानक बच्चा जैसे ही नीचे गिरा तो मौके पर चीख पुकार मच गई और आनन फानन में पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से बच्चे की मां का रो-रोकर बुरा हाल है।इस घटना ने हाई राइज बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या उनके बच्चे सुरक्षित हैं? क्या बच्चों को बालकनी में अकेले खेलने देना समझदारी है? वास्तव में ये काफी जोखिमपूर्ण है क्योंकि हाईराइज बिल्डिंग में रहने वालों की संख्या लाखों में हैं और इस तरह की घटनाएं पैरेंट्स को जरूर डराती हैं।

बस में लगी आग, विधायक समेत 40 यात्रियों की बाल-बाल बची जान

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर से मालकानगिरि जा रही एक निजी नीलकंठ बस में आग लग गई। इस हादसे में चित्रकोण्डा विधायक मंगू खिलो समेत करीब 40 यात्री बाल-बाल बच गए। बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।बताया जा रहा है कि बस आंध्र प्रदेश के सालूर के पास तारापुरम के नजदीक पंचर हो गई थी, जिसके बाद अचानक उसमें आग लग गई। चालक को घटना की जानकारी मिलते ही उसने तुरंत सभी यात्रियों को बस से नीचे उतार दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।सालूर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

बस में सवार यात्रियों को बाद में दूसरी सरकारी बस से उनके गंतव्य के लिए भेज दिया गया। हालांकि आग लगने से यात्रियों का सामान जलकर नष्ट हो गया।

मुंबई फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते हुई कैंसिल, यात्रियों का हंगामा

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट पर उस समय अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई जब तकनीकी खराबी के चलते अकासा एयरलाइंस की मुंबई जाने वाली उड़ान को ऐन वक्त पर रद करना पड़ा। यह विमान दोपहर सवा तीन बजे मुंबई से लैंड हुआ था और इसे वापस शाम चार बजकर चार मिनट पर यात्रियों को लेकर प्रस्थान करना था।

विमान में सवार होने के लिए कुल 160 यात्री पूरी तरह तैयार थे और बोर्डिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी अपनी सीटों पर बैठ भी चुके थे। उड़ान भरने से कुछ ही मिनटों पहले विमान के तकनीकी तंत्र में आई खराबी की जानकारी पायलट को हुई जिसके बाद यात्रियों को विमान के भीतर ही इंतजार करने को कहा गया।एयरलाइंस के इंजीनियरों ने लगभग एक घंटे तक खराबी को दूर करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए प्रबंधन ने उड़ान रद करने की घोषणा कर दी जिससे यात्री आक्रोशित हो उठे। विमान से उतारे जाने के बाद यात्रियों ने एयरपोर्ट परिसर में एयरलाइंस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और वैकल्पिक व्यवस्था न होने पर विरोध दर्ज कराया।यात्रियों का आरोप था कि उन्हें घंटों तक बिना किसी स्पष्ट जानकारी के विमान और लाउंज में बिठाए रखा गया। स्थिति को बिगड़ता देख एयरलाइंस ने यात्रियों को सुबह दूसरी उड़ान से भेजने का आश्वासन दिया।

आतंकी साजिश को अंजाम देने का अंदेशा , कई संदिग्ध गिरफ्तार

कई राज्यों के सैन्य ठिकानों की रेकी, चार देशों से जुड़े तार

गाजियाबाद, एजेंसी

जासूसी मामले में अभी तक चार राज्यों के प्रमुख सैन्य व सुरक्षाबलों के ठिकानों की जानकारी पाकिस्तान, मलेशिया, यूके और दुबई के नंबरों पर भेजने की बात सामने आई है। जांच एजेंसियों ने गंभीर आतंकी साजिश को अंजाम देने से पहले की तैयारी का अंदेशा जताया है। आरोपियों ने दिल्ली, मुंबई, हरियाणा और राजस्थान के कई प्रमुख सैन्य ठिकानों व सुरक्षाबलों के स्टेशनों की भी रेकी की थी।

जासूसी का मामला सामने आने के बाद देशभर में कई जगह से पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में यह बात सामने आई है। कौशांबी पुलिस और एसआईटी ने गिरफ्तार किए आरोपियों ने बताया कि दो व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए विदेशी व्यक्ति सरदार से जुड़े हुए थे।सरदार ने सबसे पहले बनाए व्हाट्सएप ग्रुप में सुहेल, महक, राज, शिवा, रितिक और प्रवीण को जोड़ा। इसके बाद चेन शुरू हुई और अन्य आरोपी ग्रुप में जुड़ते चले गए। सुहेल ने एक अन्य व्हाट्सएप ग्रुप बनाया। दोनों ग्रुप में 27-28 लोग जुड़े हुए थे। इन्हीं ग्रुप में आरोपी फोटो-वीडियो और जीपीएस लोकेशन पोस्ट करते थे। इसके बाद ग्रुप के एडमिन की ओर से तस्दीक होने के बाद उन्हें पाकिस्तान भेजा जा रहा था।ग्रुप में पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी को लेकर भी संवाद के साक्ष्य जांच टीम को मिले हैं। सुहेल ने सरदार से शहजाद भट्टी की जान-पहचान होने के बारे में पूछा था। हालांकि ग्रुप से पाकिस्तानी गैंगस्टर के जुड़े होने के साक्ष्य नहीं मिले हैं। वहीं हापुड़ से गिरफ्तार हुए अजीम राणा भी शहजाद भट्टी के सीधे संपर्क में था।

कैमरा लगाने नाबालिग भी गए थे साथ

: सूत्रों के अनुसार दिल्ली कैंट और सोनीपत रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने रितिक व प्रवीण के साथ दो नाबालिग आरोपी भी गए थे। आरोपी गगन और दुर्गेश के बैंक खातों में रुपये आते थे। आरोपी गणेश पुणे में सुहेल और राज के साथ रहा था। वहीं, आरोपी व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए पाकिस्तानी सरदार से सीधे संपर्क में थे और उसी के इशारे पर जासूसी कर रहे थे।

5वीं से 12वीं पास तक के लोगों को बनाया मोहरा

विदेशी व्यक्ति सरदार ने भारत की जासूसी के लिए शिक्षित के बजाय दिहाड़ी-मजदूरी करने वाले अशिक्षित युवाओं को चुना। गिरफ्तार आरोपी सुहेल, महक, राज, शिवा, प्रवीण और रितिक नौवीं से 12वीं पास थे। वहीं, शुक्रवार को गिरफ्तार हुआ आरोपी गणेश 5वीं, विवेक अशिक्षित, गगन 12वीं और दुर्गेश 9वीं पास हैं। यह सभी मोबाइल फोन मैकेनिक, दिहाड़ी मजदूरी, फास्ट फूड व फल का ठेला लगाने का काम कर रहे थे। कम उम्र में महंगे शौक और खर्च की आदत ने सरदार का रास्ता आसान किया।सरदार ने सभी का ब्रेनवॉश कर रुपयों का लालच दिया और देश की जासूसी के लिए इस्तेमाल किया। सूत्रों के अनुसार जांच में यह भी सामने आया है कि बालिग और नाबालिग सभी आरोपी इस बात से पूरी तरह परिचित थे कि वह देश के खिलाफ जासूसी कर रहे हैं।

बंगाल मुख्यमंत्री का भाजपा पर तीखा हमला

ममता बनर्जी बोलीं-जो बंगाल को छेड़ेगा, जहन्नुम में जाएगा

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दंगल के बीच ईद के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज कोलकाता के रेड रोड पर नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आक्रामक रुख अपनाया। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और बंगाल की सीएम ने कहा कि जो भी बंगाल को छेड़ेगा, जहन्नुम में जाएगा। इस दौरान मंच पर उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी सहित टीएमसी के कई बड़े नेता भी दिखे।

ईद-उल-फितर पर रेड रोड पर लोगों के नमाज पढ़ने के बाद ममता बनर्जी ने कहा, 'SIR में लोगों के नाम काट दिए गए। मैं इसके लिए कोलकाता से दिल्ली, कलकत्ता हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक गई। मुझे उम्मीद है कि लोगों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। मैं बंगाल में सभी जातियों, समुदायों और पंथों के साथ खड़ी हूं। मैं यह लड़ाई जारी रखूंगी। हम मोदी जी को अपने अधिकार नहीं छीनने देंगे।''

ममता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा, ''आप हमारी सरकार को जबरदस्ती कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। आप प्रेसिडेंट रूल लगाना चाहते हैं। फिर भी हम डरेंगे नहीं। जो डरते हैं, वो मरते हैं। जो लड़ते हैं, वो जिंदगी में कामयाब होते हैं। BJP गद्दारों की पार्टी है। कुछ गद्दार ऐसे भी हैं जो वोट बांटने के लिए BJP से पैसे लेते हैं। उनसे मैं कहूंगी- मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है, वही होता है जो मंजूरें खुदा होता है। '

ममता ने आगे कहा, 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है। अल्लाह आपका भला करे। भारत और बंगाल की समृद्धि हो। पश्चिम बंगाल को निशाना बनाने वालों को जहन्नुम में जाना चाहिए। खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे, बता तेरी रजा क्या है। हमारा सिर्फ एक ही इरादा है-बीजेपी को हटाना और राष्ट्र को बचाना। '

बदरीनाथ में कंचनगंगा के पास खिसकती दिखी बर्फ, अलर्ट जारी

चमोली। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। इसी बीच चमोली जिले के बदरीनाथ धाम से एक वीडियो सामने आया है। जिसमें बर्फ खिसकती नजर आ रही है। यह घटना कंचनगंगा के पास देखने को मिली है।

दरअसल, बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत काम कर रहे कर्मचारी जब वापस लौट रहे थे, उसी दौरान कंचनगंगा के पास अचानक ग्लेशियर तेजी से नीचे की ओर बहने लगा। सड़क के ऊपर बर्फ आने से रास्ता बंद हो गया, जिसके चलते कर्मचारी वापस बदरीनाथ धाम लौट आए। कर्मचारियों ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया, जिसे अब खूब शेयर किया जा रहा है।

बदरीनाथ धाम में जम चुकी करीब 3 फीट बर्फ: बताया जा रहा है कि बदरीनाथ धाम में अब तक करीब 3 फीट तक बर्फ जम चुकी है और लगातार बर्फबारी जारी है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। जबकि, निचले इलाकों में बारिश के साथ ठंड बढ़ गई है। मौसम में आई इस अचानक ठंड से लोगों को एक बार फिर दिसंबर जैसी सर्दी का एहसास होने लगा है ।

साउथ कोरिया की फैक्ट्री में आग, 10 की मौत

सियोल, एजेंसी

दक्षिण कोरिया की एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई। बचावकर्मियों ने शनिवार को बताया कि मध्य शहर देजेओन में एक ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री के जले हुए मलबे से 10 लोगों के अवशेष बरामद किए। आग की संभावित वजह विस्फोट बताई जा रही है। इस आग में कम से कम 59 अन्य लोग घायल हो गए और चार लोग लापता हैं।

घायलों में 25 की हालत गंभीर

दक्षिण कोरिया के गृह मंत्रालय और सुरक्षा मंत्रालय ने कहा कि 25 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, लेकिन अधिकारियों ने तुरंत यह पुष्टि नहीं की कि क्या कोई भी जीवन-घातक स्थिति में है। आग शुक्रवार दोपहर में भड़कने के बाद आग बुझाने और बचाव अभियान चलाने के लिए 500 से अधिक अग्निशमनकर्मी, पुलिस और आपातकालीन कर्मी तैनात किए गए। घटना स्थल से वीडियो और फोटो में कॉम्प्लेक्स से घना ग्रे धुआं निकलता दिखा और कुछ मजदूर इमारत से कूदते दिखे। शहर के देदेओक जिले के फायर चीफ नाम ड्यूक-वू ने कहा कि आग ने एक फैक्ट्री बिल्डिंग को नष्ट कर दिया, जिसमें अग्निशमनकर्मी शुरू में प्रवेश नहीं कर सके क्योंकि ढहने का डर था।

कई लोग आग में फंसे

लापता मजदूरों की तलाश शुक्रवार देर रात शुरू हुई, जब अधिकारियों ने संरचना को ठंडा करने के लिए मानवरहित अग्निशमन रोबोट तैनात किए और सुरक्षा जांच की। नाम ने कहा कि एक व्यक्ति के अवशेष इमारत की दूसरी मंजिल पर मिले, जबकि नौ अन्य तीसरी मंजिल पर एक जिम माने जाने वाले स्थान पर पाए गए।

मेट्रो एंकर

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी... नौकरानी से नहीं की है शादी

पति को घर के कामकाज में बंटाना ही होगा हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पति को खाना पकाने, घर की साफ-सफाई करने और कपड़े धोने जैसे घरेलू कामकाज में समान रूप से हाथ बंटाना होगा क्योंकि उसने किसी घरेलू सहायिका से नहीं, बल्कि जीवन संगिनी से शादी की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी की, जो कर्नाटक हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने संबंधी एक याचिका पर सुनवाई कर रही है।

विफल रही मध्यस्थता

हाई कोर्ट ने क्रूरता के आधार पर तलाक को मंजूरी देने संबंधी अधीनस्थ अदालत के आदेश को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता व्यक्ति के वकील ने दलील दी कि दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता विफल रही।

2019 से रह रहे दोनों अलग

वकील ने कहा कि उन दोनों का विवाह मई 2017 में हुआ था और 2019 से वे अलग रह रहे हैं। वकील ने कहा, 'मैं (व्यक्ति) तलाक चाहता हूं। अधीनस्थ अदालत ने क्रूरता के आधार पर तलाक को मंजूरी दे दी।'

बदल चुका है समय

पीठ ने सवाल किया कि इस मामले में कथित क्रूरता क्या थी? व्यक्ति (पति) की ओर से पेश वकील ने कहा कि महिला अनुचित व्यवहार कर रही थी और खाना नहीं पका रही थी। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, 'आपको इन सब चीजों में समान रूप से हाथ बंटाना होगा। खाना पकाना, घर की साफ-सफाई करना, कपड़े धोना, हर चीज। समय बदल चुका है।'

एक ही सरकारी स्कूल में दोनों करते हैं काम

न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, 'आपने किसी घरेलू सहायिका से शादी नहीं की है। आपने जीवन संगिनी से शादी की है।' पीठ को बताया गया कि वे दोनों (दंपति) एक सरकारी स्कूल में सेवारत हैं। पीठ ने कहा, 'दोनों पक्षों को अदालत में बुलाया जाए। हम उनसे बात करना चाहते हैं।'शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 27 अप्रैल के लिए निर्धारित कर दी और दोनों पक्षों को उस दिन न्यायालय में उपस्थित रहने को कहा।

सिक्किमः सरकारी ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के रील बनाने पर प्रतिबंध

सिक्किम। सोशल मीडिया का जमाना है। हर कोई सोशल मीडिया पर रील बनाने पर लगा हुआ है। ऐसे में सिक्किम के वन एवं पर्यावरण विभाग ने एक आदेश जारी किया है। ये आदेश वन एवं विभाग के कर्मचारियों के लिए हैं। आदेश में सरकार ने काम के दौरान रील बनाने या सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत सामग्री पोस्ट करने पर रोक लगा दी है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह-प्रधान सचिव प्रदीप कुमार द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया के लिए सामग्री बनाने या उसे साझा करने से प्रतिबंधित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि इस कदम का उद्देश्य पेशेवर आचरण बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि आधिकारिक समय पूरी तरह से काम के लिए समर्पित रहे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564